NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 83 लखनऊ, शुक्रवार 08 नवंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

कांग्रेस की वही स्थिति हो जाएगी, जो जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 का हुआ–सीएम योगी

संवाददाता।

छठ महापर्व के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ में गोमती घाट पर लक्ष्मण मेला मैदान पहुंचे और छठ पर्व में हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने वहां छठ पूजा किया और इसके बाद मौजूद लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि आज छठ मां पर न केवल भोजपुरी समाज का बल्कि अखिल भारतीय समाज का उत्सव बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि भोजपुरी समाज आज संपूर्ण विश्व में 'छठ' की सुगंध को अपने साथ ले जाकर श्एक भारत–श्रेष्ठ भारतश की परिकल्पना को साकार कर रहा है। 'छठ' महापर्व की हृदय से बधाई एवं इस आयोजन हेतु अखिल भारतीय भोजपुरी समाज को ढेरों शुभकामनाएं! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि हमारे पर्व और त्योहार तभी तक जीवित है, जब तक हमारा राष्ट्रीय धर्म जीवित है। पर्व–त्योहार हमें जोड़ते हैं। लेकिन हमारा राष्ट्रीय धर्म भी होना चाहिए। राष्ट्रीय धर्म में हर काम देश के नाम होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यही करते हैं और उनका संकल्प भी यही है। उन्होंने साफ तौर कहा कि हम जहां पर्व–त्यौहार के माध्यम से लोगों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं तो कुछ लोग ऐसे भी हैं जो भारत में रहकर भारत की संस्कृति, भारत के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य जो लोग भी कर रहे हैं, किसी भी भारतवासी को यह बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब 140 करोड़ भारतवासी एकजुट होकर एक साथ बोलते हैं तो पूरी दुनिया हमारी बात सुनती है।योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान जम्मू कश्मीर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर से ध ारा 370 केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में हटाए। उन्होंने कहा कि 370 समाप्त कर मोदी सरकार ने आतंकवाद पर अंतिम कील ठोकने का काम किया था। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को लगा कि यह नया भारत है। यह नया भारत किसी का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। लेकिन अगर कोई इस भारत को छेड़ेगा तो छोड़ेगा भी नहीं। यह भारत ना झुकेगा, ना डिगेगा। हमेशा आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अपनी एकता और अखंडता को मजबूत रखेगा। उन्होंने कहा कि कश्मीर में कांग्रेस के समय में उसे आतंकवाद का घर बनाने की कोशिश की गई थी।

बाबा साहब अंबेडकर के संविधान में जो कुछ लिखा गया था उसे अलग किया गया। किसी ने भी हिम्मत नहीं दिखाई। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां से 370 हटाई। उन्होंने कहा कि जिस कश्मीर में पत्थर बाज पहले पत्थर मारते थे, आज वही कश्मीर एक बार फिर से भारत का स्वर्ग बनने की ओर अग्रसर है। जम्मू कश्मीर के विधानसभा में धारा 370 के हटाए जाने के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है। इसको लेकर भी योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस इसको बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह देश को आतंकवाद की तरफ बढ़ना चाहते हैं। पूरा देश इसे देख रहा है।

महाराष्ट्र की मोहोल सीट से राकांपा उम्मीदवार के नामांकन को दी गई थी चुनौती, अदालत ने खारिज की याचिका

एजेंसी।

महाराष्ट्र। अजित पवार की पार्टी राकांपा को राहत देते हुए एक उम्मीदवार जिसने पार्टी उम्मीदवार यशवंत माने के नामांकन फॉर्म की स्वीकृति को चुनौती दी थी, उसने बॉम्बे हाई कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। माने महाराष्ट्र के सोलापुर जिले की मोहोल विधानसभा सीट से राकांपा के उम्मीदवार हैं। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर और न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरेसन की पीठ ने संकेत दिया कि वे याचिकाकर्ता के पक्ष में नहीं हैं, जिसके बाद अदालत ने गुरुवार को इसे वापस लेने की अनुमति दे दी।याचिकाकर्ता नागनाथ क्षीरसागर ने तर्क दिया कि कैकाडी जाति के माने, मोहोल

से चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य थे क्योंकि सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। माने ने इससे पहले 2019 के विधानसभा चुनाव में राकांपा के टिकट पर सीट जीती थी। क्षीरसागर के वकील अनंत वडगांवकर ने दावा किया कि कैकाडी जाति के सदस्य महाराष्ट्र के केवल आठ जिलों में अनुसूचित जाति के रूप में योग्य हैं, लेकिन सोलापुर जिले में नहीं। माने के वकील, जगदीश रेड्डी ने तर्क दिया कि क्षीरसागर की चुनौती अमान्य थी, क्योंकि इसने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत समाधान के लिए अनुपयुक्त तथ्यात्मक विवादों को उठाया, जो मौलिक अधिकारों को लागू करता है। माने ने यह भी बताया कि इसी तरह की चुनौती को पहले 2020 में उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने खारिज कर दिया था।

देश भर में छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य, पटना से लेकर दिल्ली तक घाटों पर दिखी रौनक

गुवाहाटी, कोलकाता, भागलपुर, पटना, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, दिल्ली, पंजाब, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई समेत देश के तमाम बड़े शहरों में आज छठ पूजा मनाया गया। कल उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय चलने वाला यह महापर्व खत्म हो जाएगा।देश के अलग–अलग हिस्सों में आज छठ महापर्व के तहत तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इस दौरान अलग–अलग हिस्सों में घाटों पर शानदार नजारा देखने को मिला। गुवाहाटी, कोलकाता, भागलपुर, पटना, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, दिल्ली, पंजाब, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई समेत देश के तमाम बड़े शहरों में आज छठ पूजा मनाया गया। कल उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय चलने वाला यह महापर्व खत्म

हो जाएगा। छठ पूजा को लेकर राष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित तमाम बड़े नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं भी दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख व समृद्धि की कामना की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''छठ के संध्या अर्घ्य के पावन–पुनीत अवसर पर आप सभी को मेरी असीम शुभकामनाएं। सादगी, संयम, संकल्प और समर्पण का प्रतीक यह महापर्व हर किसी के जीवन में सुख–समृद्धि और सौभाग्य लेकर आए। जय छठी मइया!'' यह त्यौहार कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि और दिवाली के छह दिन बाद शुरू होता है। संबलपुर में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छठ पूजा की।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर अराजकता फैलाने और विकास रोकने का आरोप लगाया

लखनऊ,(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर प्रदेश में अराजकता फैलाने और कानून–व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा शासन में प्रदेश में संविधान और कानून का शासन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने कार्यकाल में केवल बदले की भावना से कार्य किया है, जिसके कारण जनता दुःखी और आहत है। भाजपा द्वारा राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अन्याय और दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की जा रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार द्वेष भावना से निर्दोष लोगों के घरों को गिरा रही है और उनके परिवारों को उजाड़ रही है। सत्ता के अहंकार में डूबी भाजपा सरकार में नैतिकता और मानवीयता का अभाव है। उन्होंने इसे अब तक की सबसे नकारात्मक सरकार बताते हुए कहा कि इस कार्यकाल में विकास कार्यों को बाधित किया और अम्बेडकरनगर में व्यापारियों के साथ लूट की

गया, लोगों के घर गिराए गए, और प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है।उन्होंने प्रदेश की कानून–व्यवस्था को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार में हत्या, लूट और बलात्कार की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे व्यापारियों से लेकर आम नागरिक तक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। सुल्तानपुर घटनाओं का उल्लेख करते हुए यादव ने कहा कि प्रदेश में हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में तेजी आई है।यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार समाज को बांटने के असंवैधानिक कार्य में लगी हुई है, जिससे किसान, नौजवान, व्यापारी, कर्मचारी, और मजदूर सभी परेशान हैं। किसानों को डीएपी और अन्य खाद नहीं मिल रही है, और भाजपा नेताओं द्वारा खाद की कालाबाजारी की जा रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि डीएपी और पीडीए के बीच अक्षरों की समानता है और दोनों ही भाजपा के पतन का कारण बनेंगे। उन्होंने जनता से विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए एकजुट होकर मतदान की अपील की, यह कहते हुए कि जनता भाजपा सरकार से मुक्ति पाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

डिंपल यादव ने भाजपा पर समाज को बांटने का आरोप लगाया, करहल में सपा की ऐतिहासिक जीत का जताया भरोसा

करहल,(आरएनएस) समाजवादी पार्टी की मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने भाजपा पर नफरत और भेदभाव की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकारों ने हर वर्ग को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से केंद्र और 8 वर्षों से उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने जनता की उम्मीदों पर पानी फेरा है। किसानों की आय दोगुनी करने के वादे के बावजूद उनकी

स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। किसानों को डीएपी और अन्य खाद उपलब्ध नहीं हो रही, और नौजवान रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं।करहल में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी तेज प्रताप यादव के समर्थन में आयोजित जनसभा के बाद मीडिया से बातचीत में डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का हक छीना है और अब ये वर्ग भाजपा की नीतियों को भली–भांति समझ चुके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि करहल में समाजवादी पार्टी ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी।भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार और अन्याय चरम पर है, और इसके खिलाफ हर वर्ग एकजुट होकर भाजपा को हराने के लिए

संकल्पित है।बदायूं लोकसभा सांसद आदित्य यादव ने भी जनसभा को संबोधित करते हुए तेज प्रताप यादव को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

दिल्ली भाजपा नेता छठ पूजा में सम्मिलित हुए, पत्रकारों के लिए विशेष मधुबनी एवं मैथली थाली भोज का आयोजन किया

दिल्ली एजेंसी। दिल्ली भाजपा के मीडिया विभाग ने आज पत्रकारों के लिए विशेष मधुबनी एवं मैथली थाली भोज का आयोजन किया और पत्रकारों को प्रकृति पर्व की बधाई दी। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में लगभग सभी छठ घाटो पर पहुंच कर छठ व्रती माताओं एवं बहनों को बधाई दी।नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज छठ महापर्व के अवसर दिल्ली मे बसे पूर्वांचल समाज को शुभकामनाऐ दी और कहा है कि छठ प्रकृति पूजा का पर्व है। छठ में भक्त डूबते और उगते दोनों समय भगवान सूर्य से प्रार्थना एवं उनकी पूजा करते हैं जो एक सामाजिक संदेश देता है कि हमें दोस्तों की सफलता और कठिन समय दोनों में उनके साथ खड़ा रहना चाहिए।सचदेवा ने कहा कि भाजपा सरकार ने 1994 में पूर्वांचली परंपरा के अनुसार यमुना तट पर छठ घाटों की स्थापना शुरू की थी, लेकिन यह खेदजनक है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान अरविंद केजरीवाल सरकार ने उन्हें उनकी पारंपरिक पूजा पद्धति से वंचित कर दिया है और उन्हें कृत्रिम घाटों पर पूजा करने के लिए मजबूर किया है। यह दुखद है कि इस वर्ष केजरीवाल सरकार ने पर्याप्त संख्या में कृत्रिम घाटों का निर्माण भी नहीं किया और न ही घाटों पर उचित सुविधाएं प्रदान कीं।केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा सीमापुरी, आई.टी.ओ. हाथी घाट, सराय काले खान सहित 8 पूजा घाटो पर पहुंचे और छठ व्रतियों को शुभकामनाऐ दी। हर्ष मल्होत्रा ने कहा छठ एक सामूहिक पर्व है जो लोगों को बिना गरीब अमीर के भेदभाव के एक जुट हो प्रकृति की पूजा करने का अवसर देता है।दिल्ली भाजपा के मीडिया विभाग ने आज पत्रकारों के लिए विशेष मधुबनी एवं मैथली थाली भोज का आयोजन किया और पत्रकारों को प्रकृति पर्व की बधाई दी। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में लगभग सभी छठ घाटो पर पहुंच कर छठ व्रती माताओं एवं बहनों को बधाई दी – दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा मंगोलपुरी, भलस्वा, कृष्णा नगर एवं मयूर विहार आदि में छठ घाटो पर पूजा में सम्मिलित हुए। सांसद मनोज तिवारी ने अपने निवास पर विशाल छठ पूजा समारोह आयोजित किया और संसदीय क्षेत्र उत्तर पूर्वी दिल्ली सहित दिल्ली के विभिन्न कोनों में 15 से अधिक घाटों पर पहुंचे और छठ व्रतियों को संगीतमय बधाई दी।

अंबर बाजार युवा व्यापार मंडल ने दीपावली स्कीम के तहत 51 विजेताओं को उपहार वितरित किए

लखनऊ, (आरएनएस)नाका परिक्षेत्र व्यापार मंडल की इकाई, अंबर बाजार युवा व्यापार मंडल ने दीपावली के अवसर पर विशेष लकी ड्रा का आयोजन किया, जिसमें 51 विजेताओं को उपहार वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में मंडल के संरक्षक पवन मनोचा, इंदरजीत सिंह, अध्यक्ष विजय वाधवानी, महामंत्री प्रदीप गुप्ता और पूरी युवा टीम शामिल रही। लकी ड्रा का आयोजन लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा और वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा के सानिध्य में किया गया, जिसमें लकी कस्टमर्स को गिफ्ट बांटे गए।नाका परिक्षेत्र के अध्यक्ष पवन मनोचा ने बताया कि ऑनलाइन खरीदारी को चुनौती देने के उद्देश्य से दीपावली से पहले इस विशेष स्कीम की शुरुआत की गई थी। इस स्कीम में ग्राहकों की ओर से कुल 10,423 पर्चियाँ प्राप्त हुई थीं, जिनमें से आज लकी ड्रा के माध्यम से 52 विजेताओं का चयन किया गया और उन्हें पुरस्कृत किया गया।विजेताओं में प्रमुख पुरस्कार वोल्टास वाशिंग मशीन, 32 इंच एलईडी टीवी, 20 लीटर ओटीजी माइक्रोवेव, 5000वाट का टावर, मिक्सर ग्राइंडर, और होम थिएटर शामिल थे। आयोजकों ने इस पहल के माध्यम से ग्राहकों को प्रोत्साहित करने और त्योहारी सीजन में व्यापार को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

समाजवादी पार्टी ने कुन्दरकी उपचुनाव में निष्पक्षता के लिए पुलिस अधिकारियों के निलम्बन और स्थानांतरण की मांग की''

लखनऊ(आरएनएस),समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर मुरादाबाद के कुन्दरकी विधानसभा उपचुनाव में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारियों के निलम्बन और स्थानांतरण की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि पुलिस थाना मैनाठेर के थानाध्यक्ष किरनपाल सिंह खुलेआम ड्यूटी के दौरान पुलिस वर्दी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और भाजपा पदाधिकारियों के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं। इस संदर्भ में उनके फोटो भी साक्ष्य के रूप में संलग्न किए गए हैं।सपा के ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि पुलिस थाना कुन्दरकी के थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सेहरावत और कुन्दरकी पुलिस चौकी के प्रभारी राजनाथ सिंह सपा समर्थकों, विशेष रूप से मुस्लिम मतदाताओं, को मतदान से रोकने के लिए धमकी दे रहे हैं और भय का माहौल बना रहे हैं।समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मी सिविलियन ड्रेस में सपा समर्थक मतदाताओं के बीच घूमकर भय का वातावरण बना रहे हैं और भाजपा के पक्ष में प्रचार करने के लिए प्रतिष्ठित नागरिकों, ग्राम प्रधानों, राशन डीलरों, और ट्रांसपोर्ट मालिकों पर दबाव डाल रहे हैं। पार्टी का कहना है कि इन अधिकारियों की उपस्थिति में कुन्दरकी क्षेत्र में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव असंभव है।ज्ञापन में सपा ने इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए किरनपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करने और अन्य अधिकारियों का स्थानांतरण जनपद से बाहर करने की मांग की है, ताकि मतदाताओं में भयमुक्त माहौल बने और निष्पक्ष चुनाव संपन्न हो सके।

लखनऊ पुलिस ने दो शातिर लूटेरों को किया गिरफ्तार, लूट का सामान बरामद

लखनऊ (आरएनएस)के थाना पीजीआई पुलिस ने शातिर लूटेरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लूट के बाद खर्च किए गए पैसे, दो मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।घटना 21 अक्टूबर 2024 की है, जब विजय कुमार शुक्ला निवासी मौराँवा रोड, लखनऊ ने पुलिस को बताया था कि उसे मारपीट कर दो मोबाइल फोन, पर्स और बैग लूट लिया गया था। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लूटेरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था।पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 6 नवम्बर 2024 को दो शातिर लूटेरोंकृआशीष शर्मा और विजय सोनीकृको कल्ली पश्चिम विस्कुट फैक्ट्री से गिरफ्तार किया। आरोपियों की तलाशी में कुल 1,430 रुपये और दोनों के मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने लूट के पैसे निकालने के बाद पर्स को फेंकने और लूटे गए मोबाइल फोन को अज्ञात राहगीरों को बेचने की बात स्वीकार की।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए धारा 317 (2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की और उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही जारी है।

नगर विकास मंत्री ने छठ पर्व की तैयारियों और व्यवस्थाओं की वर्चुअल समीक्षा की

लखनऊ,(आरएनएस) उत्तर प्रदेश के नगर विकास और ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने छठ महापर्व की तैयारियों के संबंध में निकाय अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी निकायों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान घाटों और पूजा स्थलों में स्वच्छता, सुंदरीकरण, प्रकाश व्यवस्था, और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। मंत्री ने कहा कि छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालु घाटों पर एकत्रित होते हैं, इसलिए व्यवस्था में सतर्कता और समर्पण अत्यंत आवश्यक है।श्री शर्मा ने निर्देश दिया कि जलाशयों में पूजा सामग्री प्रवाहित न हो इसके लिए जाल लगाकर ष्अर्पण कलशष की व्यवस्था की जाए। साथ ही, कूड़े के निपटान के लिए समुचित प्रबंध किए जाएं ताकि घाटों में स्वच्छता बनी रहे। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु चेंजिंग रूम, मोबाइल टॉयलेट, और स्वच्छ पेयजल की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।छठ पर्व को दिव्य, भव्य, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के प्रयास में नगर निगम और ऊर्जा विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं और व्रतधारियों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं।प्लास्टिक मुक्त छठ पर्व की अपील करते हुए श्री शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि वे श्रद्धालुओं को प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए प्रेरित करें और दुकानदारों को भी इस संबंध में जागरूक करें। घाटों पर डस्टबिन की व्यवस्था हो और कूड़ा–कचरा समय से उठाया जाए। इस दौरान, चूने का छिड़काव, एंटी लार्वा और फॉगिंग का भी प्रबंध किया जाए।इस समीक्षा बैठक में नगर विकास सचिव अजय कुमार शुक्ला, नगरीय निकाय निदेशक अनुज कुमार झा, अपर निदेशक रितु सुहास, डीसीसीसी अधिकारी, नगर आयुक्त, और विभिन्न निकायों के 750 से अधिक अधिकारी वर्चुअल रूप से जुड़े रहे।

विनय पटेल बने AAP अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष

लखनऊ (आरएनएस) आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने संगठन विस्तार के क्रम में आज विनय पटेल को पार्टी के अयोध्या प्रांत का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस जिम्मेदारी के साथ, विनय पटेल अब अयोध्या प्रांत में पार्टी की नीतियों और उद्देश्यों को आम जन तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे।संजय सिंह ने इस अवसर पर कहा, ष्विनय पटेल एक निष्ठावान और मेहनती कार्यकर्ता हैं। उनकी पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता और क्षेत्रीय मुद्दों की गहरी समझ उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाती है। हमें पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में अयोध्या प्रांत में पार्टी की स्थिति और अधिक सशक्त होगी।ष्विनय पटेल की नियुक्ति के साथ, ।।च का उद्देश्य है कि उत्तर प्रदेश में आम जनता के हित में एक नया दृष्टिकोण स्थापित किया जाए। इसके अलावा, पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने के लिए भी वे अपने नेतृत्व का प्रयोग करेंगे।विनय पटेल, इससे पहले पार्टी में प्रदेश सचिव और पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं और पार्टी को राज्य में आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इस अवसर पर विनय पटेल ने कहा, ष्आम आदमी पार्टी की नीतियों और उनके द्वारा किए गए कार्यों को जनता तक पहुंचाने के लिए मैं पूरी तरह से समर्पित हूं। मुझे विश्वास है कि हम सभी के सहयोग से अयोध्या प्रांत में पार्टी को और मजबूती प्रदान करेंगे।ष।।च के इस कदम से उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य में नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है।

सड़क किनारे मिला पूर्व प्रधान का शव

परिजनों ने हत्या की आशंका जता किया हंगामा, मार्निंग वक्ष्क पर निकले थे घर से

प्रयागराज(आरएनएस)। यमुना नगर के घूरपुर थानांतर्गत गौहनिया बाईपास के पास गुरुवार को पूर्व प्रधान का शव पड़ा मिला। वह सुबह मार्निंग वॉक पर घर से निकले थे। पुलिस जहां इसे सड़क दुर्घटना बता रही है, वहीं परिवार के लोगों ने साजिश के तहत हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए हंगामा किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। उसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। पुलिस ने परिवार को जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार घूरपुर थाना क्षेत्र के मनकवार ग्राम सभा के कोईली तारा मजरा निवासी राजेश कुमार पटेल उर्फ खन्ना प्रधान (50) पुत्र स्वर्गीय बाज बहादुर पटेल चार भाईयों में बड़े थे। वह खेती किसानी के साथ–साथ समाजसेवा से भी जुड़े हुए थे। वह 10 साल पूर्व ग्राम प्रधान रह चुके थे। बाकी बाद में हुए दो चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

उनके बेटे आशीष कुमार पटेल के अनुसार वह प्रतिदिन भोर में चार बजे घर मार्निंग वॉक के लिए रींवा राजमार्ग से गौहनिया की तरफ जाते थे। उनका यह सिलसिला कई साल से बना हुआ था। वह गुरुवार को भी सुबह चार बजे घर से मार्निंग वॉक पर निकले थे। कुछ देर बाद उनके परिवार को सूचना मिली कि गौहनिया बाईपास के समीप बने महिला पिंक पुलिस बूथ के सामने सड़क के किनारे उनकी लाश पड़ी है। परिवार के लोग बदहवास हालत में मौके पर पहुंच गए। पता चलने पर गांव घर एवं आस पास के लोगों का वहां पर मजमा लग गया। पुलिस को खबर दी गई। नाराज परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने समझा बुझाकर सभी को शांत कराया।परिजनों के अनुसार उनकी और उनके परिवार की वैसे तो किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। राजनैतिक और जमीन विवाद जरूर था। परिवार को हत्या की आशंका इसलिए है क्योंकि राजेश सड़क के किनारे पटरी पर चल रहे थे। ऐसे में हादसा होने की संभावना नहीं है। उन्होंने हत्या होने की ही बात कही है।

कार्मिक विभाग में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन

दलीप सिंह, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षकध्कल्याण अनुभाग को अक्टूबर–नवम्बर माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, कार्मिक विभाग,मुख्यालय प्रयागराज में अक्टूबर– नवम्बर– 2024 माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी उपस्थित रहे।पुरस्कार समारोह में अक्टूबर– नवम्बर माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार दलीप सिंह, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षकध्कल्याण अनुभाग, कार्मिक विभाग, प्रधान कार्यालय को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया।

इसी कड़ी में अक्टूबर– नवम्बर– 2024 माह के सर्वश्रेष्ठ अनुभाग का पुरस्कार प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुभाग को प्रदान किया गया। इस अनुभाग द्वारा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के आदेशानुसार उत्तर मध्य रेलवे के समस्त मण्डल एवं यूनिटों के साथ समन्वय करके कार्मिक विभाग के समस्त कार्यों की मानिटरिंग की जाती है। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुभाग में कार्यरत समस्त सामान्य सहायकों द्वारा कार्मिक विभाग में प्रतिदिन होने वाली साफ–सफाई की देख – रेख एवं सहयोग किया जाता है।

विशेष कार्यक्रम के रूप में कर्मचारियों के मध्य पठन–पाठन एवं बौद्धिक जागरूकता बढाने के लिए आयोजित प्रतियोगिता में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी द्वारा अपने जीवन संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी से सबको प्रेरित किया ृ सतपाल द्वारा पंचतंत्र कहानी, दलीप सिंह द्वारा गीत एवं धीरेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा स्वरचित कविता प्रस्तुत की गयी ृ अन्य कर्मचारियों ने भी इसमें बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया ृ

कार्यक्रम का आयोजन कार्मिक विभाग,मुख्यालय के सभी कर्मचारियों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं जिज्ञासा को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया । इस दौरान कार्मिक विभाग, मुख्यालय के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अगर न्यायपालिका न होती तो सारे झूठ और अपराध को सच साबित कर देती भाजपा– चंद्रशेखर रावण

पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और मिलकर साथ चलेंगे

प्रयागराज(आरएनएस)। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि केंद्र से राज्य तक भाजपा की सरकार है, पड़ोस में भी इनकी सरकार है, फिर अचानक क्या हो गया, जो कटने,बंटने की मजबूरी आ गई।चंद्रशेखर ने कहा कि अगर देश में न्याय पालिका न होती तो सरकार अपने सारे झूठ और अपराध को सच साबित कर देती।

सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे बयान पर जमकर उन्होंने भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि यह महज बांटने और वोट लेने की साजिश है। 7 साल से योगी सीएम हैं। दलितों ओर मुस्लिमों पर अत्याचार हो रहे हैं। दलितों की जान इतनी सस्ती है दाल उससे महंगी है। अरहर दाल से सस्ती दलित की जान है, जबकि मसूर की दाल से सस्ती मुसलमान की जान है।बसपा मुखिया मायावती से उनके वोट बैंक के खतरे के सवाल पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा– उनसे हमें कोई खतरा नहीं है, वह मुझसे बड़ी हैं और मैं उनका सम्मान करता हूं।

नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान श्बटेंगे तो कटेंगेश से अपनी बात शुरू की। कहा कि इस तरह के शब्दों से समाज में जहर फैल रहा है। जनता को तय करना है।

चंद्रशेखर ने कहा कि पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और मिलकर साथ चलेंगे, इससे ही देश तरक्की की रास्ते पर जाएगा। जम्मू कश्मीर में धारा 370 बहाल करने को लेकर विधानसभा में हुए हंगामे पर चंद्रशेखर ने कहा कि जम्मू कश्मीर में उपराज्यपाल के हाथों में बहुत कुछ है। आशंका जताई कि कहीं बीजेपी जम्मू कश्मीर के बहाने कोई प्रयोग तो नहीं कर रही है। क्योंकि बॉर्डर की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। उन्होंने कहा कि देश में अगर कहीं से कोई आतंकवादी घुसने की कोशिश करे तो उसका सफाया किया जाना चाहिए। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखना पड़ेगा कि यह कहीं भारतीय जनता पार्टी का बाकी चुनाव में लोगों के वोट लूटने का प्रयास तो नहीं है, इसे देखना होगा। भाजपा वहां भी तो दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी वोट की लालच में कुछ भी कर सकती है। चंद्रशेखर ने फतेहपुर में पत्रकार हत्याकांड, गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज केस की भी निंदा की। चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा भावना भड़का रही है। हिन्दू–मुसलमान करके अपनी राजनीति कर रही है।

चंद्रशेखर फूलपुर उपचुनाव में आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी शाहिद खान के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे थे। चंद्रशेखर ने कहा कि फूलपुर की जमीन बहुजन आंदोलन और संघर्ष की जमीन है। इलाहाबाद वो धरती रही है, जिसने देश को प्रधानमंत्री दिया। हम 2024 के उपचुनाव में सभी कमियों को पूरा कर लेंगे।

फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, मुख्य आरोपी की तलाश जारी

लखनऊ,(आरएनएस) लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन की थाना महानगर पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाने और बेचने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने दबिश देकर इस गिरोह के सदस्य, राम प्रकाश वर्मा को पकड़ा है, जो पेपरमिल कॉलोनी के किराए के मकान में नकली अंक पत्र और प्रमाण पत्र तैयार कर रहा था।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप, प्रिंटर, पेपर कटिंग मशीन, कई फर्जी दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद की। आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि इस गिरोह का मुख्य संचालक मथुरा निवासी मनीष प्रताप सिंह उर्फ मांगे राम है, जो अभी फरार है। मांगे राम के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, और वह पहले गैंगस्टर एक्ट के तहत भी आरोपित रह चुका है।गिरफ्तार अभियुक्त राम प्रकाश वर्मा, जो बिहार के हसनपुरा सिवाह का निवासी है, वर्तमान में लखनऊ के इंदिरा नगर में रह रहा था। पुलिस को जानकारी मिली कि वह मनीष प्रताप सिंह के साथ मिलकर विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के नाम पर नकली दस्तावेज तैयार कर रहा था, जिससे नकली प्रमाण पत्र बेचकर मोटी रकम कमाई जा रही थी।मुख्य आरोपी मनीष प्रताप सिंह की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि फर्जी दस्तावेज से जुड़े किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि इस प्रकार की गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

साइबर क्राइम सेल की त्वरित कार्यवाही से पीड़ित को मिली 2,83,850 की धनराशि वापस

लखनऊ,(आरएनएस) के साइबर क्राइम सेल ने तेजी से कार्रवाई करते हुए एक साइबर धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित संजय कुमार सिंह को ध्2,83,850 की राशि वापस दिलाई। शिकायतकर्ता संजय कुमार सिंह ने बताया कि उनकी जानकारी के बिना उनके खाते से यह राशि धोखाधड़ीपूर्वक ट्रांसफर कर ली गई थी। मामले की शिकायत दर्ज होते ही प्रभारी निरीक्षक सतीशचन्द्र साहू के नेतृत्व में साइबर क्राइम सेल की टीम ने तत्परता से जांच शुरू की और संबंधित बैंक व टेलीकॉम कंपनियों से संपर्क साधा। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि शिकायतकर्ता के खाते में वापस कराई गई।साइबर क्राइम सेल की इस त्वरित कार्रवाई से संजय कुमार सिंह ने अत्यंत संतोष और प्रसन्नता व्यक्त की, और लखनऊ पुलिस की सराहना करते हुए आभार प्रकट किया।साइबर क्राइम सेल ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के पूछने पर अपना ओटीपी, सीवीवी, या यूपीआई पिन साझा न करें।

निकाली गई राष्ट्रीय रामायण मेला सद्भावना संदेश जन जागरण यात्रा

प्रयागराज(आरएनएस)। श्रृंगी ऋषि की तपोस्थली निषाद राज की नगरी भगवान श्री सीताराम केवट मिलनस्थली श्रृंगवेरपुर धाम मैं वर्ष 1990 से संचालित 35 वा राष्ट्रीय रामायण मेला के आयोजन से पूर्व आयोजको द्वारा राष्ट्रीय रामायण मेला सद्भावना संदेश जन जागरण यात्रा निकालकर राष्ट्रीय रामायण मेले भव्य कार्यक्रम का प्रचार प्रसार किया। यात्रा में भगवान श्री राम लक्ष्मण सीता की प्रतीकात्मक झांकी निषाद राज पीठाधीश्वर माधव दास के साथ निकाली गई। सर्वप्रथम मां भगवती गंगा जी का पूजन तीर्थ पुरोहित समाज के अध्यक्ष काली सहाय त्रिपाठी, तीर्थ पुरोहित उमेश त्रिपाठी, निर्मल बाबा, संजय त्रिपाठी आदि ने पूरे विधि विधान एवं वैदिक मंत्रो से संपन्न कराया। इस अवसर पर राष्ट्रीय रामायण मेला की उपाध्यक्ष सियाराम सरोज रामानुजाचार्य जगतगुरु नारायणाचार्य जी शांडिल्य महाराज, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा, समाजसेवी विनोद ओझा, श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष कमलाकांत द्विवेदी, महामंत्री ओमप्रकाश द्विवेदी, सहकारी संघ श्रृंगवेरपुर धाम के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र पांडे, सुधांशु मिश्रा आशीष केसरवानी आदि सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे। यहां यह भी बताना आवश्यक है किया राष्ट्रीय रामायण मेला आगामी 11 नवंबर से प्रारंभ होकर 15 नवंबर को पंचदिवसीय आयोजन संपन्न होगा।

छठ पूजा पर सेल्फी लेने की लगी रही होड़

छठ पूजा के अवसर पर 14 फिट संगम नोज पर स्थापित सूर्य की प्रतिमा के साथ सेल्फी लेने की मची होड़ मची रही। पूर्वांचल विकास एवं छठ पूजा समिति के पंडाल संगम नोज प्रयागराज मे भजन संध्या के माध्यम से लोग झूमते नजर आये।

समिति के अध्यक्ष अजय राय एवं पदाधिकारियों ने संध्या आरती किया। उसके बाद संगम नोज पर पूर्वांचल विकास समिति के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व मे भजन संध्या के माध्यम से श्कांच ही बांस के बहँगिया बहँगी लचकात जाय, आवा हो गणेश बाबा हमरे आंगनवा रिद्धि सिद्ध साथे लाइह करब पूजनवाश गीत पर लोग झूमते नजर आये स

इस अवसर पर समिति के संरक्षक शेषनाथ सिंह, सुदामा सिंह, संस्थापक सदस्य कर्मचारी नेता रविशंकर मिश्र, ओ पी सिंह, कृष्णानंद तिवारी, जगदेवानंद दूबे, अमन सिंह यादव, अभिषेक आर्या, शिवसेवक सिंह, कमलेश दादा, सुरेश सिंह आदि लोगों ने संध्या आरती किया।

आदित्य, मनस्वी और यशस्वी को मिली ब्लैक बेल्ट

प्रयागराज(आरएनएस)। कुकीवॉन ताईक्वांडो सेंटर ऑफ साउथ कोरिया द्वारा आयोजित हुई कलर बेल्ट परीक्षा में विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल ताईक्वांडो अकादमी के आदित्य सिंह, मनस्वी सिंह और यशस्वी सिंह ने ब्लैक बेल्ट प्राप्त की है।

अकादमी के कोच अनुराग सिंह के अनुसार फरवरी माह में हुई परीक्षा में उत्तीर्ण होकर प्रमाण पत्र पाने वाले यह तीनों खिलाड़ी सगे भाई–बहन हैं। इनकी उपलब्धि पर विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक अभिषेक तिवारी, प्रधानाचार्य दिनेश कुमार श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

श्री सहायक क्लब फाइनल में

प्रयागराज(आरएनएस)। श्री सहायक क्लब ने शिवपुर क्रिकेट क्लब को छह विकेट से हराकर यश हॉस्पिटल ट्रॉफी अंडर–15 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला शुक्रवार को पीए युनिटी क्लब से होगा।

दौलत हुसैन मैदान पर गुरुवार को खेले गये मैच में शिवपुर क्लब ने 30 ओवर में 151 रन (रुद्रांश सिंह 52, मोहम्मद अहमद 45, लक्ष्य यादव, काव्यांशु, अभिजीत एवं शिवांश पांडेय दो–दो विकेट) बनाये। जवाब में श्री सहायक क्लब ने 27.3 ओवर में 4 विकेट पर 154 रन (शिवांश पांडेय 41 नाबाद, पार्थवर्धन सहायक 41, ईशान सिंह 37, लक्ष्य यादव 21, शिवम यादव 2ध्23, रोहित पटेल 2ध्24) बना लिये। शिवांश को मैन ऑफ दि मैच चुना गया।

जोड़े जोड़े फलवा सुरुज देव घटवा पे तीवई चढ़ावेले हो

प्रयागराज(आरएनएस)। जोड़े जोड़े फलवा सुरुज देव घटवा पे तीवई चढ़ावेले हो ,जोड़े जोड़े फलवा सुरुज देव घटवा पे तीवई चढ़ावेले हो। जल बिच खड़ा होई दर्शन ला, आसरा लगावेले हो. ...। इन्ही गीतों के साथ सूर्योपासना के महापर्व छठ पर पूरा घाट गुंजायमान हो रहा था। नहाए खाए और खरना के बाद गुरूवार को संध्याकाल में 36 घंटे निर्जला व्रत रखने वाली महिलाओं ने घाट पर पहुंचकर छठ मईया की पूजा की और कमर तक पानी प्रवेश कर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर अपने परिवार की मंगलकामना के लिए प्रार्थना की।

मुख्य रूप से पूर्वांचल और बिहार में पुत्रों की दीर्घायु कामना के लिए मनाये जाने वाले महापर्व की शुरुवात मंगलवार की किया। नहाए खाए और खरना के बाद इस महापर्व पर गुरूवार की दोपहर से ही फलों और प्रसाद के साथ पूजन समाग्री से भरी दौरी डाला सिर पर रखकर महिलाएं व उनके पति ढोल नगाड़े के साथ घाट पर पहुंचे। संगम नोज, बलुआघाट व्रती महिलाओं और उनके परिवार से खचाखच भरा रहा। महिलाओं ने घाट पर लेप बनाकर गन्ने की छावनी बनाकर छठी मईया की पूजा की। पूजन कर बाद कमर तक पानी में उतरकर अस्ताचल डूबते हुए भगवान आदित्य(सूर्य) को संध्याकाल में अर्घ्य दिया। नैनी के अरेल घाट पर पहुंचे प्रदेश के।कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और उनकी पत्नी अभिलाषा गुप्ता ने भी छठ की पूजा की। मंत्री नंदी ने भी सिर पर छठ मईया की दौरी को उठाया और मंगलकामना की।

ठेकुआ व चावल के लड्डू का लगाया भोग

प्रयागराज(आरएनएस)। कहते है कि छठ पर भगवान सूर्य की उपासना और पूजन करने से संतान प्राप्ति, संतान के जीवन की रक्षा, सुख समृद्धि का फल प्राप्त होता है। यह छठ पूजा कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाती है। इस दिन सुबह से अर्घ्य की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। पूजा में प्रसाद के लिए ठेकुआ, चावल के लड्डू बनाया जाता हैं। छठ पूजा के लिए बांस की बनी एक टोकरी में तमाम प्रकार के फल, फूल को डाला में सजाया जाता है। वहीं एक सूप में नारियल, पांच प्रकार के फल रखकर सूर्य देव की ओर मुख करके डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर पांच बार परिक्रमा की जाती हैं। अर्घ्य देते समय सूर्य देव को दूध और जल भी चढ़ाते है।

सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

प्रयागराज(आरएनएस)। छठ पर्व को लेकर प्रयागराज कमिश्नरेट की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए हैं। संगम और बलुआघाट बारादरी में भारी पुलिस फोर्स व सादे पोशाक में पुलिस के जवानों को लगाया गया।स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी इस पर्व पर पुलिस का विशेष सहयोग किया। पर्व पर घाट के किनारे आतिशबाजी करने पर रोक लगाई गयी थी। आतिशबाजी के लिए घाट से कुछ दूर मैदान मे व्यवस्था की गयी थी। भीड़ और यातायात को देखते हुए मुख्य चौराहों पर बैरिकेडिंग और पार्किंग की व्यवस्था भी बनाई गयी है। जिससे भीड़ होने पर यातायात प्रभावित न हो।

अखाड़ा के संतो की बैठक में जबरदस्त हंगामा

अखाड़े के दो गुट आपस में भिड़े, जमकर हुई हाथ पाई

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज में 2025 महाकुंभ को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों और साधु संत अखाड़ों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं। गुरुवार को मेला प्राधिकरण दफ्तर पहुंचे अखाड़ों के साधु संतों के बीच जमीन आवंटन को लेकर विवाद खुलकर सामने आ गया। मेलाधिकारी और अन्य अफसरों के सामने ही साधु संत भिड़ गए। अखाड़ों के बीच पहले कहासुनी, हंगामा फिर मारपीट होने लगी। इससे अफरा–तफरी मच गई।

अखाड़ों की जमीन निरीक्षण के पहले 13 अखाड़ों के साधु–संत बैठक के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान निर्मोही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से किसी बात को लेकर किसी साधु से झगड़ा हुआ और नौबत मारपीट तक आ गई। इस बीच अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री स्वामी हरी गिरी महाराज को झगड़ा रोकना पड़ा।बताया जा रहा है कि ये झगड़ा अखाड़ों के दो गुटों साधु–संतों के बीच है। कहा जा रहा है एक गुट बैठक के दौरान हर–हर महादेव के नारे लगा रहा था जिससे दूसरे गुट को ये नागवार गुजरा जिसके बाद विवाद बढ़ा और मारपीट, धक्का–मुक्की शुरू हो गई।

महाकुंभ में प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों पर पहली बार होगा मल्टी लैंग्वेज एनाउंसमेंट

प्रयागराज(आरएनएस)। मानवता की अमूर्त विरासत महाकुंभ 2025 प्रयागराजवासियों के लिए नई–नई सौगात लेकर आ रहा है। राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर डबल इंजन की सरकार ने महाकुंभ को दिव्य–भव्य के साथ–साथ स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे ध्यान में रख कर प्रयागराज रेल मण्डल महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा देने के सभी संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज रेल मण्डल महाकुंभ में पहली बार मल्टी लैंगवेज एनाउनंसमेंट करने की व्यवस्था कर रहा है। इससे देश के विविध भाषा बोलने और समझने वाले लोगों को उनकी भाषा में ट्रेनों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।महाकुंभ 2025 को सुगम व सुरक्षित महाकुंभ बनाने के डबल इंजन की सरकार के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में प्रयागराज रेल मण्डल कोई कसर बाकी नहीं रख रहा है। एक ओर तो रेल मण्डल शहर के सभी रेलवे स्टेशनों के विस्तारीकरण व सौंदर्यीकरण के कार्य कर रहा है तो दूसरी ओर श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान बनाने के सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रयागराज रेल मण्डल के वरिष्ठ पीआरओ अमित मालवीय ने बताया कि महाकुंभ 2025 में पहली बार रेल मण्डल मल्टी लैंगवेज एनाउंसमेंट करेगा। इसका लाभ देश के कोने–कोने से आने वाले अलग–अलग भाषा बोलने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा, जिन्हें हिंदी या अंग्रेजी भाषा समक्षने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

वरिष्ठ पीआरओ ने बताया कि रेल मण्डल शहर के सभी मुख्य स्टेशनों पर ट्रेनों की मल्टी लैंग्वेज एनाउंसमेंट की व्यवस्था कर रहा है। भारत में भाषाओं की विविधता को देखते हुए हिंदी और अंग्रेजी भाषा के साथ 10 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में एनाउंसमेंट की जाएगी। इनमें गुजराती, मराठी, तमिल, तेलगू, मलयालम, कन्नड़, बंग्ला, असमिया, उड़िया और पंजाबी भाषाओं में एनाउंसामेंट किया जाएगा। इसके लिए रेल मण्डल अलग–अलग डिवीजन से एनाउंसर बुला रहा है जो असानी से अपनी क्षेत्रीय भाषा में एनाउंसमेंट कर सकें। उन्होंने बताया कि एनाउंसमेंट के स्पीकर स्टेशन के प्लेटफार्मों के अलावा आश्रय स्थलों में भी लगाए जाएंगे। यात्रियों को उनके गंतव्य स्थल के हिसाब से आश्रय स्थलों में रोकने की योजना है जिससे की श्रद्धालुओं को कम से कम समस्याओं का सामना करना पड़े और महाकुंभ स्नान के बाद आसानी से अपने घरों को लौट सकें।

सिर्फ पीड़ितों को और पीड़ित करते है साइबर थाने के जिम्मेदार

सुल्तानपुर(आरएनएस)। साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराना टेढ़ी खीर हो गई है। खाते से लाखों रुपए साइबर अपराधियों ने उड़ा दिए लेकिन पुलिस लाइन में स्थित साइबर दफ्तर में पीड़ितों की दरखास्त धूल फांक रही है। बगैर मुकदमा दर्ज किये यहाँ जांच की बात कहकर पीड़ितों को टरका दिया जाता है। वही लुटा हुआ पीड़ित जब बैंक से डिटेल लेने जाता है तो उसे कहा जाता है कि पहले एफआईआर कॉपी लाइए फिर संबंधित जांच में सहयोग की जाएगी। वहीं साइबर सेल के प्रभारी कहते हैं कि जब जांच साइबर सेल पुलिस कर रही है तो बैंक को एफआईआर कॉपी देने का क्या मतलब है? जबकि साइबर सेल प्रभारी खुद स्वीकार कर रहे हैं कि बगैर एफआईआर दर्ज कराए भी जांच होती है। बीते 4 नवंबर को साइबर थाना प्रभारी को दरखास्त देकर मुकदमा दर्ज करने का दरखास्त दी थी। पीड़ित मुकेश ने बताया कि उनके गर्भवती पत्नी को अनुदान देने के नाम पर फोन आया था और उनके खाते से लगभग 78000६–६ खाते से गायब हो गए।। वह बैंक गए तो उन्हें बताया गया कि जाइए और एफआईआर कॉपी लाइए । दूसरा और तीसरा मामला गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के जासापारा गांव का है जहां पर मातृत्व लाभ योजना के लिए साइबर अपराधियों ने फोन करके दो लोगों के खातों से क्रमशः 20000६–६ व लगभग 40000६–६ हजारों रुपए उड़ा लिए।चौथा मामला शहर के हृदय स्थली चौक का है जहां पर फर्जी वेबसाइट से एक युवक को तकरीबन 15 लाख रुपए की चपत लगा दी गई । उसने मामले की शिकायत साइबर सेल को भी की। यहां तक कि उसने अपनी फरियाद क्षेत्राधिकार नगर से भी की लेकिन साइबर थाना प्रभारी ने भागदौड़ से बचने के लिए यानी होमवर्क कम करने के लिए प्राथमिक कि नहीं दर्ज की इसके अलावा भी कई मामले जिनको साइबर थाने द्वारा कोई सपोर्ट नहीं किया जा रहा है। ऐसे ही मिलते जुलते न जाने कितने मामले जिनको पुलिस दर्ज करने की बजाय ठंडा बस्ती में डाल देती है। कहीं तो भोले भाले ऐसे प्रार्थी हैं जिनको जांच के नाम पर दौड़ाया जाता रहता है । पता चला है कि तहरीर का वजन किया जाता है, जबकि साइबर से जुड़े अपराधों के लिए रोज नई तकरीबन रोज नई एडवाइजरी जारी हो रही लेकिन साइबर थाने की पुलिस एक्टिविटी शिथिल पड़ गई अब तो घटना का वर्कआउट का प्रेस नोट भी नहीं जारी हो रही।

बिना जांच कोटा बहाल होने पर ग्रामीण पहुंचे डीएम के द्वार, की शिकायत

सुल्तानपुर(आरएनएस)। चार माह तक हवा में जांच की गई। फिर निष्पक्ष जांच न कर कोटे को बहाल कर दिया गया। जब कई वर्षों से जमे कोटेदार के यहां राशन से लदा वाहन पहुंचा तो शिकायतकर्ता राशन कार्ड धारकों में हड़कम्प मच गया।फिलहाल दर्जनों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुँच कर डीएम के जनता दरबार मे शिकायत की है। मामला कूरेभार ब्लाक के सैदखानपुर गांव का है। यह गांव 15 पुरवो से संचालित है। इस गांव में एक कोटा नही दो कोटे की जरूरत हैं।पिछले चार माह पहले कोटेदार शीतला यादव के खिलाफ करीब 70 राशन कार्ड धारकों मय शपथपत्र शिकायत किया था। निष्पक्ष जांच के लिए जनप्रतिनिधि ने भी अफसरों से कहा था।शिकायत होते ही कोटा निलंबित भी कर दिया गया। एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी ने डीएसओ जीवेश मौर्य को निष्पक्ष जांच को कहा। ऐसे में शिकायतकर्ता ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार से डीएसओ जीवेश मौर्य व सप्लाई इंस्पेक्टर मयंक चतुर्वेदी मिल गए है जिसके चलते कागजी खाना पूर्ति की गई है।15 पुरवो मे बयान लेने के बजाय एक दो पुरवो के 10–12 लोगो से ही बयान ले क्लीन चिट दे दी हैं।कोटेदार पर तीन चार किलो राशन कम देने व मनमानी वितरण का आरोप लगा था।निष्पक्ष जांच न होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। जांच के दिन व पहले भी कोटेदार व उनके लड़के ने ग्रामीणों को धमकी भी दिया है। जिसकी वीडियो वायरल हैं। फिलहाल गुरुवार को दर्जनों ग्रामीण शिवशंकर यादव, सूर्य भान यादव, राम प्रसाद दुबे, विनय सिंह, ओम प्रकाश दुबे, विजय कुमार,जय प्रकाश, राम धीरज, राम जन्म दुलारी, हरिराम समेत दर्जनों राशन कार्ड धारको ने डीएम के जनता दरबार मे सीडीओ अंकुर कौशिक से किया हैं। उन्होंने जांच कराने की बात कही हैं। फिलहाल एसडीएम सदर का कहना है कि पहले भी जांच डीएसओ स्तर से कराई गई थी।यदि फिर कोटे की शिकायत हुई है तो जांच डीएसओ स्तर से कराई जाएगी।सीडीओ ने बताया कि जांच हेतु एसडीएम सदर व डीएसओ को निर्देशित किया गया है।

जनचौपाल में पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू पहुंचे

अयोध्या(आरएनएस)। कटेहरी उपचुनाव को लेकर पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ने जनचौपाल लगाई। गोसाईंगंज विधानसभा से जुड़े कटेहरी विधानसभा के सीमावर्ती स्थानों पर इन जनचौपाल का आयोजन किया गया था। हैदरगंज, मया, तारुन व नंसाघ में आयोजित जन चौपाल के दौरान उन्होंने कटेहरी उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी धर्मराज निषाद के समर्थन में अपने रिश्तेदारों व परिचितों के बीच प्रचार करने की अपील की।

पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ने कहा कि अंतिम व्यक्ति के उत्थान की परिकल्पना को केंद्र व प्रदेश सरकार ने जमीनी स्तर पर सार्थक किया है। आज सरकारी योजनाओं का लाभ कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को मिल रहा है। यूपी में भय मुक्त परिवेश का निर्माण किया गया है। सरकार के प्रयासों की वजह से निवेशकों की पसंद उत्तर प्रदेश बनता जा रहा है। विपक्ष के पास गुमराह करने की राजनीति के अलावा कुछ नहीं बचा है। लेकिन जनता अब उनके बहकावे में नहीं आने वाली है। उपचुनाव में भाजपा बड़ी जीत की ओर आगे बढ़ रही है। मौके पर महेंद्र मिश्रा, मणीन्द्र शुक्ला मन्नू, पतिराज वर्मा, अवधेश सिंह, विश्वनाथ तिवारी, नन्द किशोर गिरी, बल्लू तिवारी , वरुण तिवारी , वाच्छाराम वर्मा , देव नारायण तिवारी, विपिन वर्मा , जिलेश निषाद , शिव कुमार निषाद, रवि गिरी, साधू तिवारी, अविनाश निषाद , शिव वचन गिरी , प्रमोद गिरी , पुत्तुल तिवारी, विनय उपाध्याय, दिनेश उपाध्याय, दिनेश वर्मा भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरेंगी जिले की दो बेटियां

सुलतानपुर (आरएनएस)स वाराणसी में चल रही राज्य स्तरीय माध्यमिक विद्यालयी खेल कूद प्रतियोगिता सीनियर बालिका संवर्ग 800 मीटर दौड़ में साक्षी सिंह और जूनियर बालिका संवर्ग 3000 मीटर में शाहीन बानो ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया वहीं सीनियर संवर्ग में साक्षी सिंह को 1500 मीटर में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने बताया कि जूनियर संवर्ग की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आगामी 26 नवंबर से लखनऊ में आयोजित होगी वहीं सीनियर संवर्ग की प्रतियोगिता रांची में प्रस्तावित है। क्रीड़ा सचिव और टीम मैनेजर दिलीप सिंह ने बताया राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अयोध्या मंडल की तरफ से कुल 21 खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स में जिले से प्रतिभाग किया जिसमें जिले को 2 स्वर्ण व एक रजत पदक प्राप्त हुआ। 4 नवंबर से आयोजित पांच दिवसीय इस आयोजन में टीम कोच कौशलेंद्र सिंह, दिलीप कुमार रहे, अन्य सदस्यों में विनय कुमार सिंह, शशिकला मौर्य, स्मिता पाटिल, मुनेंद्र मिश्र, सुरेश यादव,संतशरण सिंह, वीरपाल सिंह, मंशा राम, बम बहादुर यादव की मौजूदगी में खिलाड़ियों ने बढ़िया प्रदर्शन किया ।

प्रविंद जगन्नाथ को मारीशस का पुनः प्रधानमंत्री बनने के लिए अनुष्ठान

अयोध्या हनुमानगढ़ी में वैदिक आचार्यों द्वारा किया गया पूजा पाठ व महायज्ञ

अयोध्या(आरएनएस)। श्री क्षीरेश्वर नाथ महादेव मंदिर अयोध्या में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ को पुनः प्रधानमंत्री बनाने के उद्देश्य से सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी के महंत राजूदास के आयोजन एवं पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा के संयोजन में वैदिक आचार्यों द्वारा पूजा पाठ व महायज्ञ किया गया। भारतीय मूल के मॉरीशस के वर्तमान प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ सनातन परंपरा के पोषक व भारतीय विचारधारा के है। प्रविंद जगन्नाथ के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत और मॉरीशस के पारस्परिक संबंध और भी मजबूत हुए है। प्रविंद जगन्नाथ को 2017 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा 'प्रवासी भारतीय सम्मान' से सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ भारतीय मूल के है, उनके पूर्वज उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रहने वाले थे। महंत राजू दास ने कहा कि मॉरीशस में विपक्ष के नेता नवीन रामगुलाम व उनके सहयोगी सकील मोहम्मद तुष्टिकरण की राजनीति करते है। मॉरीशस में बहुसंख्यक हिन्दुओं को सकील मोहम्मद सार्वजनिक रूप से कहता है कि यदि आगामी 11 नवंबर को उनकी सरकार बनती है तो वहां सिंदूर लगाने वालों को देश से मिटा दिया जाएगा। इसीलिए प्रविंद्र जगन्नाथ को मॉरीशस का पुनः प्रधानमंत्री बनने की कामना के साथ पूजा पाठ और महायज्ञ किया गया है।

कांच ही बांस की बहंगिया, बहंगी लचकत जाय...

-घाटों पर छठ मइया के मधुर गीत से गुंजायमान हुआ वातावरण

गोसाईंगंज–अयोध्या(आरएनएस)। लोकआस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन गुरुवार शाम व्रती महिलाएं गोसाईंगंज कस्बे में महादेवा घाट पर तमसा नदी व ठकुराईन के पोखरे पर पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हुए अपने परिवार के सुख समृद्धि की कामना किया। इस दौरान घाटो पर छठ मइया के मधुर गीत से पूरा वातावरण गुंजायमान होता रहा।कांच ही बांस की बहंगिया, बहंगी लचकत जाय व पहिले पहिल हम कईनी छठी मइया व्रत तोहार,करिहा क्षमा छठी मईया भूल–चूक गलती हमार... जैसे मधुर गीत व्रती महिलाओं के उत्साह को कई गुना बढ़ाता रहा। इस दौरान घाटो पर आतिशबाजी भी होती रही।नहाय खाय से शुरू हुए सूर्योपासना का चार दिवसीय यह छठ पर्व का उल्लास घाटो पर दिखाई पड़ा।कार्तिक महीने की शुक्लपक्ष की षष्ठी को व्रती परिवार के पुरुष दूसरे पहर में बांस की टोकरी में सूप,पांच प्रकार के फल,नारियल सहित अन्य सामानों को लेकर घाटों की तरफ रवाना हुए। इस दौरान साथ चल रही महिलाएं छठ मइया के गीत गाती रही। घाट पर पहुंचकर महिलाओं ने घाटों पर बने बेदी पर पूजा का सामान व नारियल चढ़ाया और दीप जलाए।इसके बाद जल में खड़े होकर सूर्य के अस्त होने का इंतजार करने लगी। जैसे ही सूर्यदेव अस्ताचलगामी हुए अर्घ्य दिया और पांच बार परिक्रमा किया।अर्घ्य देने के बाद टोकरी में रखे केराव को लेकर महिलाएं घर वापस लौटी। पूजन में प्रमुख ठेकुआ को महिलाओं ने पहले से ही तैयार कर लिया था व अन्य सामानों को बाजार से खरीद लिया था। शुक्रवार को उदय होते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही36घण्टो का निर्जला व्रत सम्पूर्ण हो जाएगा।उक्त अवसर पर चेयरमैन डॉ विजयलक्ष्मी जायसवाल, ईओ इंद्रभान, एसएचओ परशुराम ओझा, एसआई उपेन्द्र प्रताप सिंह, प्रसूनलता सिंह, अरविंद सिंह, सभासदअवधेश सोनी, जगदम्बा प्रसाद,त्रिलोकी सोनी ,राजेश सोनी, उमाशंकर, विजय सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

परिक्रमा पथों पर परिक्रमा संबंधित तैयारी अंतिम चरण में

-परिक्रमा पर्व को बनाए सुगम व सरल - वेद प्रकाश गुप्ता

अयोध्या(आरएनएस)। नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता गुरुवार को जिलाधिकारी व अन्य आलाधिकारियों के साथ परिक्रमा पथों का निरीक्षण कर उनकी यथास्थिति से अवगत हुए। 14 कोसी परिक्रमा पथ व पांचकोसी परिक्रमा पथ का भ्रमण कर निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने जगह–जगह बेरीकेटिंग का कार्य पूर्ण करने व जो गड्ढे बिना भरे हुए थे उनको तत्काल भरने का आदेश दिया। साथ ही साथ पूरे मार्ग पर जहां–जहां बिजली के जर्जर पोल दिखाई दिए या तार दिखाई दिए उनको विद्युत विभाग के एक्सियन को तत्काल बदलने का निर्देश दिया। उन्होंने भ्रमण के दौरान कहा कि हमें देश भर से आ रहे लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत पूर्ण मनोयोग से करना है इसके लिए हमें सदैव तत्पर रहना होगा। इसी क्रम में मेरे द्वारा यह निरीक्षण जिलाधिकारी के साथ किया जा रहा है जिसमें प्राप्त कमियों को तत्काल निराकरण कराया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि लाखों की संख्या में आ रहे परिक्रमार्थियों के लिए यह परिक्रमा सुगम और सरल बने। निरीक्षण के समय विधायक श्री गुप्ता के साथ जिलाधिकारी अयोध्या चंद्र विजय सिंह अपर जिला अधिकारी सलील पटेल अपर नगर आयुक्त अनिल सिंह, पीडब्ल्यूडी एक्सियन विद्युत विभाग के एक्सियन व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सराफा लूटकाण्ड मामले में मुकदमा दर्ज करने में पुलिस कर रही हीलाहवाली

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिले के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को सरेशाम आभूषण व्यवसायी को लहूलुहान कर हुई करीब 25 लाख की लूट मामले अभी तक मुकदमा नहीं दर्ज किया जा सका है। पुलिस हाथ में तहरीर लेकर भारी भरकम लूट को कम दिखाने को लेकर पंचायत कर रही है। सूत्रों की माने तो पुलिस का कहना कि तहरीर में आभूषण की निर्धारित कीमत नहीं, बल्कि सिर्फ लाखों में लिखा जाय। वहीं पीड़ित व्यापारी 25 लाख से कम आभूषण की कीमत तहरीर में लिखने को तैयार नहीं है। इसी को लेकर सुबह से पंचायत चल रही है। अब व्यापारियों का धैर्य डोलने लगा है। वहीं, पुलिस व्यापारी नेताओं को मैनेज करने में लगा रहा। नेता भी व्यापारियों के खिलाफ जाने को तैयार नहीं है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक प्रेम चंद्र से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन काट दिया।वही सीओ जयसिंहपुर रमेश ने बताया कि सेमरी में है मुकदमा दर्ज हुआ कि नही जानकारी नहीं है।

थ्रीडी इफेक्ट के जरिये राम वनगमन मार्ग के दर्शन करा रहा दुर्लभ दर्शन केंद्र

अयोध्या(आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने रामनगरी में एक और बड़ी पहल शुरू कराई है। देश–विदेश से अयोध्या आने वाले भक्तों को श्रीराम के 14 वर्षों के वनवास के दौरान किये गए संघर्षों की गाथा थ्रीडी वीडियो के जरिये दिखाई जा रही है। सिर्फ 9 मिनट के वीडियो में ही श्रद्धालु श्रीराम के जीवन उतार चढ़ाव को देखकर भाव–विभोर हो जा रहे हैं। इसके लिए हनुमान गढ़ी के पास राज द्वार पार्क में दुर्लभ दर्शन केंद्र की स्थापना कराई गई है। अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद यहां श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लगातार हर वर्ष कर रहे हैं। इसी क्रम में अब अयोध्या श्रीराम के जीवन जुड़ी गाथाओं से लोगों को जोड़ने का काम शुरू किया गया है। अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से श्रीराम वन गमन से जुड़े वर्चुअल रियलिटी पर डेमो शुरू कराया है। ठीक उसी तरह जैसे काशी विश्वनाथ, मां वैष्णो देवी भवन में भी ऐसी व्यवस्था है। 9 मिनट मे सबसे पहले अयोध्या को एनिमेशन के जरिये दिखाया जाता है उसके तमसा नदी, भरत मिलाप, लक्ष्मण पहाड़ी, अनुसुइया माता दर्शन, दंडकारण्य, पंचवटी, धनुषकोडि, एनिमेशन के ही जरिये श्रीराम का लंका में सूर्य तिलक दिखाया जाता है। दुर्लभ दर्शन केंद्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। करार के तहत टेक एक्स आर इनोवेशंस कंपनी ने अभी केंद्र में 10 कैमरे लगवाए हैं। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को एक हेड फोन भी दिया जाता है, जिसकी साउंड क्वालिटी भी लाजवाब है। देश–विदेश से बड़ी संख्या में रोजाना पहुंच रहे भक्तों की संख्या को देखते हुए अभी नगर क्षेत्र में और भी दुर्लभ दर्शन केंद्रों की स्थापना प्रस्तावित है। सीएम योगी के विजन के अनुसार अब अयोध्या समेत आस–पास के सभी प्रमुख क्षेत्रों के वर्चुअल रिएलिटी प्लेटफॉर्म के जरिए दर्शन कराने की प्रक्रिया पर भी जोर दिया जा रहा है। ऐसे 18 तीर्थस्थलों को वर्चुअल रिएलिटी के जरिए जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए शूटिंग पूरी कर ली गई है। इसमें श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी मंदिर, नागेश्वर नाथ मंदिर, राम की पैड़ी, छोटी देवकाली मंदिर, रंग महल, सूर्य कुंड, भरत कुंड, गुप्तार घाट, बड़ी देवकाली मंदिर, कनक भवन मंदिर व दशरथ महल मंदिर मुख्य हैं।

बीकानेर से आये विकास तिवारी ने दुर्लभ दर्शन के बाद बताया कि गजब का अनुभव हुआ है। अयोध्या आने वाले हर भक्त को रामलला का दर्शन करने के पश्चात इसे जरूर देखना चाहिए। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अभी इस योजना बढ़ावा दिया गया है। हालांकि अभी यह डेमो के तौर पर दिखाया जा रहा है। अब तक एक हजार से भी अधिक लोग इसका डेमो ले चुके हैं। अभी इसके और केंद्र भी खोले जाएंगे।

उज्जैन की भस्म आरती, मैहर, वैष्णो देवी व ओंकारेश्वर व भीमाशंकर के धार्मिक स्थलों व कथाओं को भी यहां दिखाने की कवायद शुरू की गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि देश–विदेश में बैठे भक्तों को भी यह थ्रीडी डॉक्युमेंट्री दिखाने की योजना पर मंथन चल रहा है। इसके अंतर्गत तीन कंपनियों से करार किया गया है।

इसमें एक ऐप तैयार किया जाएगा। उसके सब्सक्रिप्शन लेने पर वीआर डिवाइस भी मिलेगा। अयोध्या में अभी और दुर्लभ केंद्र खोले जाने हैं। अभी दीपोत्सव पर शुरू हुए दुर्लभ केंद्र का चार्ज नहीं लग रहा है, लेकिन आने वाले दिनों में 100 से 150 रुपये चार्ज लिया जाएगा। चार्ज के माध्यम से सरकार को भी राजस्व जाएगा।

प्रिंसिपल, दो डाक्टर समेत 12 अज्ञात पर आत्महत्या के लिए उकसाने में रिपोर्ट दर्ज

अयोध्या(आरएनएस)। राजर्षि दशरथ मंडलीय चिकित्सालय दर्शन नगर के प्राचार्य, दो डॉक्टर तथा 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने जान से मार डालने की धमकी देने समेत अन्य धाराओं में कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है यह रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज कर्मी प्रभु नाथ मिश्रा की मौत के मामले में दर्ज हुई है अधिवक्ता मार्तंड प्रताप सिंह ने बताया कि हैदरगंज थाना क्षेत्र के बिंदा मिश्र का पूरा पश्चिमाना निवासी जगदीश चंद्र मिश्र का पुत्र प्रभुनाथ मिश्रा राजर्षि दशरथ राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर 2019 से कार्यरत था। बीते 29 जुलाई को सुबह 11:30 वह अपनी ड्यूटी पर था। इस समय मेडिकल कॉलेज की 2020 बैच की छात्राओं रितु एवं निर्मला कुमावत बलपूर्वक बिना लाइन के उसकी केबिन के अंदर घुसकर रजिस्ट्रेशन पर्चा कटाने का प्रयास व दबाव बनाने लगी। जब प्रभु नाथ ने दोनों से लाइन में लगकर परचा कटवाने को कहा इस पर वह दोनों 10 12 अज्ञात सामाजिक तत्वों व अन्य अज्ञात डॉक्टर के साथ मौके पर आ गई और प्रभु नाथ को मारा पीटा। घर पहुंचने पर उसने अपने पिता से पूरी बात बताया और शिकायत मेडिकल कॉलेज प्रशासन से भी किया इसके संबंध में जांच कमेटी बनाई गई ।

आरोप है कि जांच कमेटी ने मामला विभागीय होने के नाते कोई कार्यवाही नहीं की। इसके बाद रितु व निर्मला कुमावत उनके गैंग के सहयोगी डॉक्टरों द्वारा शिकायत वापस लेने व माफी मांगने के लिए गाली गलौज व जानलेवा ६मकी दी गई। इसकी शिकायत प्राचार्य ज्ञानेंद्र कुमार से किया तो उन्होंने प्रभु नाथ को अपने कमरे में बुलाकर दोनों छात्राओं से माफी मांगने को कहा अन्यथा की दशा में छेड़खानी व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा कायम करवाने की धमकी दी। माफी ना मांगने पर प्राचार्य ज्ञानेंद्र कुमार ने 7 अगस्त 2024 को प्रभु नाथ को बुलाकर माफी ना मांगने पर नौकरी से निकलवा देने और झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भिजवा देने की धमकी दी इससे तंग आकर प्रभु नाथ ने उसी दिन अपनी जीवन लीला समाप्त करने की नीयत से जहर खा लिया। आरोप है कि उसके इलाज में भी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने लापरवाही की और उसे मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। डॉ राम मनोहर लोहिया पहुंचने पर डॉक्टरों ने 8 अगस्त को उसे मृत घोषित कर दिया।

मृत्यु की संभावना की जानकारी होने पर साजिश करके झूठी घटना दिखाकर प्रभु नाथ मिश्रा का गलत नाम रघुनाथ मिश्रा दर्शा कर एक अन्य सहयोगी को भी सह अभियुक्त बनाकर अश्लील हरकत और ६मकी देने की धारा में रिपोर्ट भी दर्ज करा दी गई ।

इस मामले में पुलिस ने कोई रिपोर्ट नहीं दर्ज की तब मृतक के पिता की अर्जी पर कोर्ट ने रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया था।

उद्यान विभाग द्वारा बेचा गया आलू बीज घटिया

अयोध्या(आरएनएस)। उद्यान विभाग द्वारा किसानों को बेची गई हाइब्रिड (एफ 1) आलू कुफरी सिंदूरी का बीज पूरी तरह से खराब है जिसमें जामलेसन (अंकुरण) भी कम है और सड रही है आलू देखने में भी बेडौल व गंदी है जिसकी जांच कराकर किसानों को द्वारा भुगतान किया गया आलू बीज का पैसा वापस दिलाया जाए। उक्त मांग भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने करते हुए कहा कि जनपद अयोध्या में उद्यान विभाग द्वारा हाइब्रिड आलू का बीज एफ 1 कुफरी सिंदूरी मंगाकर मु02995 रुपए प्रति कुंतल की दर से किसानों को बेचा गया था आलू बोरे में पैक होने के कारण किसानों द्वारा आलू को देखा नहीं जा सका और घटिया किस्म की आलू उद्यान विभाग द्वारा किसानों को बेच दिया गया घनश्याम वर्मा ने जिला प्रशासन और उद्यान विभाग से मांग किया है कि कुफरी सिंदूरी ०१ आलू बीज की जांच करके सही क्वालिटी आलू बीज न होने के कारण किसानों को उनका पैसा वापस दिलाया जाए। या उसके बदले में अच्छी क्वालिटी की एफ 1 आलू का बीज दिलाया जाए

बारून बाजार में डीएपी उर्वरक की किल्लत

मिल्कीपुर–अयोध्या।(आरएनएस) मिल्कीपुर क्षेत्र की प्रमुख बाजारों में से एक बारुन बाजार में उर्वरक की दुकानों पर डीएपी न होने से किसान परेशान हैं।बारुन बाजार में दर्जनों निजी उर्वरक की दुकानों समेत एक साधन सहकारी समिति मौजूद हैं।रवी सीजन की बुवाई का मुख्य समय होने के कारण इस समय किसानों को डीएपी उर्वरक की सख्त आवश्यकता है परंतु बाजार की प्रमुख उर्वरक दुकानों पर डीएपी नदारद होने के कारण किसान हलकान है।क्षेत्रीय किसान रामतीरथ,बलराम यादव,मुमताज अहमद आदि ने आरोप लगाया कि वह डीएपी उर्वरक के लिए पिछले दो–तीन दिनों से एक दुकान से दूसरे दुकान पर चक्कर लगा रहे हैं परंतु उन्हें पूरे बाजार में कहीं भी डीएपी उर्वरक नहीं मिल रहा है।इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी ओपी मिश्रा ने बताया कि जिले में उर्वरक कि कहीं कोई कमी नहीं है यदि किसी बाजार में डीएपी उर्वरक की अनुपलब्धता है तो जल्द ही उसे दूर किया जाएगा।साधन सहकारी समिति बारुन पर कार्यरत आंकिक विक्रेता सुनील सिंह ने बताया कि समिति पर इस समय एनपीएस उर्वरक उपलब्ध है तथा डीएपी एक–दो दिन में समिति पर आ जायेगी

बिल्डिंग का निरीक्षण करते जेडी योगेंद्र प्रताप सिंह

संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय का जेडी ने किया निरीक्षण

अयोध्या(आरएनएस)। संयुक्त शिक्षा निदेशक अयोध्या मंडल अयोध्या द्वारा कार्यालय की बिल्डिंग का जेडी योगेंद्र प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया। वही निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि बिल्डिंग के अंदर बने सभी कार्यालयों को देखा गया जिसमें कुछ विभाग में स्पेस की कमी थी इस कमी को लेकर यह निरीक्षण किया गया। और एक दो कमरे मे छोटे–छोटे जिसमें पुरानी आवश्यक फाइल पड़ी हुई थी।जिसका कोई उपयोग नहीं है। इस संबंध में इसे निर्देशित किया गया है। उन्हें नियमानुसार फाइलों को हटा दिया जाए,व कमरों को खाली करवाई जाने को लेकर निर्देशित किया गया है।

पेंशनर्स अब घर बैठे डाकिया से बनवायें जीवित प्रमाण पत्र

अयोध्या(आरएनएस)। पेंशन भोगियों को घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र बनाने की सुविधा के प्रचार प्रसार को गति देने के लिए पोस्टर जारी कर बैठक किया गया । अब पेंशनरों को जीवित प्रमाणपत्र (डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट) जमा करने के लिए कोषागार, बैंक या अन्य किसी विभाग में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पेंशनर्स घर बैठे डाकिया के माध्यम से यह प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। उक्त जानकारी मण्डलीय कार्यालय में बैठक दौरान प्रवर अधीक्षक डाकघर हरे कृष्ण यादव ने दी। श्री यादव ने बताया कि पेंशनर अपने नजदीकी शहरी अथवा ग्रामीण डाकघर के डाकिया के माध्यम से डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें मात्र 70 रुपये देना पड़ेगा। साथ ही यह भी बताया कि अब जीवित प्रमाण पत्र फिंगर प्रिन्ट के अलावा चेहरे के से भी जीवित प्रमाण पत्र बन सकेगा जबकि इससे पहले सिर्फ फिंगर प्रिंट से ही सुविधा लागू थी । जीवन प्रमाण पत्र बनने के बाद यह प्रमाण पत्र स्वतः संबंधित विभाग को ऑनलाइन पहुंच जाएगा। इससे पेंशन मिलने में कोई रुकावट नहीं आएगी। यह सुविधा सभी डाकघरों में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है।

श्री यादव ने कहा कि भारतीय डाक विभाग के माध्यम से सभी विभागों के पेंशनरों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट प्रदान करने की सुविधा उपलब्ध कराया गया है। पेंशनर इस सुविधा को लेने के लिए अपने डाकिया के साथ–साथ पोस्ट इन्फो मोबाइल एप द्वारा ऑनलाइन अनुरोध भी कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनर को आधार नंबर, मोबाइल नंबर, बैंक या डाकघर खाता संख्या और पीपीओ नंबर देना होगा।यहाँ बताते चले कि पेंशनरों को प्रत्येक वर्ष सामान्यतया नवंबर और दिसंबर माह में कोषागार, बैंक या संबंधित विभाग में जीवन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होता है। इसके लिए दूरदराज इलाके के पेंशनरों को कोषागार आने में कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यात्रा आदि में भी काफी व्यय होता है। साथ ही कहा कि डाक विभाग की इस पहल से पेंशनरों को काफी सहूलियत मिलेगी। बैठक में सहायक अधीक्षक अकबरपुर मनोज कुमार, ओमेश्वर सिंह, निरीक्षक राजेश्वर दूबे, हरिमोहन सिंह, अमित कुमार, गौरव सोनी, अभिषेक तिवारी, अभिनव गुप्ता, अयोध्या के इंडिया पोस्ट पेमेंट के वरिष्ठ प्रबंधक चेतन जायसवाल, अकबरपुर के इंडिया पोस्ट पेमेंट के वरिष्ठ प्रबंधक सुधीर कुमार वर्मा सहायक प्रबंधक पंकज पाल , प्रभारी पोस्टमास्टर नूतन सिंह, मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह, विकास अधिकारी चन्द्रेश वर्मा, सहित दर्जनों उपस्थित रहे

संपादकीय

देश में आतंक का माहौल

सुरक्षा के मोर्चे पर चुस्ती और सख्ती के तमाम दावों के बावजूद देश में आतंक का माहौल क्यों लौट रहा है? झूठी धमकियां देने वालों या हमले की तैयारी में लगे समूहों के बारे में खुफिया एजेंसियां पूर्व सूचना क्यों नहीं जुटा पा रही हैं?

जम्मू–कश्मीर में निर्वाचित सरकार के पद संभालने के कुछ दिनों के अंदर ही आतंकवादियों ने कहर ढाया है। श्रीनगर–लेह राजमार्ग पर सोनमर्ग के पास रविवार को उनके हमले में सात लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर दूसरे राज्यों से आए कर्मी हैं, जो वहां निर्माण कार्य में लगे थे। दो बातें खास हैं। कश्मीर घाटी में जारी निर्माण कार्यों से संबंधित स्थल पर हाल के वर्षों में हुआ यह पहला हमला है। फिर यह वहां हुआ, जिसके बारे में पिछले एक दशक से माना जाता था कि वह इलाका आतंकवाद के साये से मुक्त हो चुका है। बताया गया है कि ताजा हमला पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने किया।

जिस रोज यह हमला हुआ, उसी दिन नई दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल के बाहर बम धमाका हुआ, जिससे स्कूल परिसर की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त हो गई। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। उधर रविवार को ही 25 उड़ानों के दौरान उनमें बम होने की धमकी मिली, जिस वजह से उनकी इमरजेंसी लैंडिग करानी पड़ी। इसके पहले शनिवार को 30 से ज्यादा उड़ानों को ऐसी धमकियां मिली थीं। ये सभी फर्जी निकलीं, मगर दोनों दिन इनकी वजह से हवाई यात्राएं बाधित हुईं और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल, थोड़ा पीछे जाकर देखें, तो काफी समय से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्कूलों और अस्पतालों में बम होने की धमकियां मिल रही हैं।

अब तक ये धमकियां फर्जी साबित हो रही थीं, लेकिन रविवार को आखिरकार सचमुच विस्फोट हो गया। ऐसी घटनाओं ने देश में आतंक का माहौल लौटा दिया है। इससे सवाल उठा है कि सुरक्षा के मोर्चे पर चुस्ती और सख्ती के तमाम दावों के बावजूद देश में ये माहौल क्यों लौट रहा है? झूठी धमकियां देने वालों या हमले की तैयारी में लगे समूहों के बारे में खुफिया एजेंसियां पूर्व सूचना क्यों नहीं जुटा पा रही हैं? जम्मू–कश्मीर का मामला ज्यादा गंभीर है। जम्मू क्षेत्र आतंकवादी हमलों के नए ठिकाने के रूप में उभरा है, जबकि अब कश्मीर घाटी में भी ऐसी वारदातों ने फिर सिर उठा लिया है। आखिर क्यों?

राजनीतिक मकसद साधने की मंशा न हो

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि श्जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिएच्?

इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी।

तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी।

आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढने की दर रिप्लेसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढने की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है।

ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढना रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए।

अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है और औसतन 20 लाख की आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला तय होता है तो दक्षिण के ज्यादातर राज्यों में सीटों में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या 80 से बढ़ कर 120 हो जाएगी। बिहार में 40 से बढ़ कर 70 हो जाएगी। सोचें, इससे इन राज्यों की राजनीतिक हैसियत कितनी बढ़ जाएगी? अगर ऐसा होता है तो ओवरऑल लोकसभा की सीटों में बड़ी बढ़ोतरी करनी होगी। वैसे नए संसद भवन में इसकी तैयारी पहले हो चुकी है। नए संसद भवन में निचले सदन यानी लोकसभा में 880 सांसदों के बैठने की व्यवस्था है। अगर संख्या इतनी नहीं भी बढ़ाएं तब भी आठ सौ तक संख्या जा सकती है। इस फॉर्मूले से यानी आबादी के अनुपात में सीटों की संख्या बढ़ाने का फैसला होता है ।

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव: गढ़ बचाने में लगी पार्टियां

जिन सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे है। उनमें से प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के पास सिर्फ एक सलूंबर की सीट थी। जहां उनके लगातार तीन बार के विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के चलते उपचुनाव हो रहा है। भाजपा के लिए सलूंबर की सीट जीतना प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है।राजस्थान में आगामी 13 नवंबर को सात विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। सात में से पांच विधानसभा सीटों झुंझुनू, दौसा, खींवसर, देवली–उनियारा, चौरासी में वहां के विधायकों के सांसद बनने के चलते इस्तीफा देने से उपचुनाव होने जा रहे हैं। वहीं सलूंबर व रामगढ़ में विधायकों की मृत्यु होने के चलते उपचुनाव हो रहे हैं। हालांकि इन विधानसभा उपचुनावो के नतीजों से प्रदेश की राजनीति में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इससे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार को कोई खतरा होने वाला नहीं है।मगर इन उपचुनाव के नतीजे का असर प्रदेश की राजनीति में कई पार्टियों व उनके नेताओं के राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करेगा। 2023 के विधानसभा चुनाव में सात विधानसभा सीटों में से चार सीटों पर कांग्रेस पार्टी के विधायक थे। वही एक सीट पर भाजपा, एक पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) व एक पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) का विधायक था।जिन सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे है। उनमें से प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के पास सिर्फ एक सलूंबर की सीट थी। जहां उनके लगातार तीन बार के विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के चलते उपचुनाव हो रहा है। भाजपा के लिए सलूंबर की सीट जीतना प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। इसीलिए भाजपा ने दिवंगत विधायक की पत्नी शांता मीणा को टिकट देकर सहानुभूति का लाभ उठाना चाहती है। इसके अलावा प्रदेश की अन्य विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी भाजपा पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरी है।

उपचुनाव में हार जीत के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में बहुत अच्छा नहीं रहा था। इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चाहते हैं कि सभी सात सीटों पर उपचुनाव में उनकी पार्टी के प्रत्याशियों को विजय बनवाकर भाजपा आला कमान की नजरों में अपनी मजबूत छवि बना सके। भाजपा प्रदेश की सभी सातों सीटों पर पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने समय रहते अपने सभी बागियों को मना कर एकजुटता का संदेश देने में सफल रही है। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ उतरे बागियों को चुनाव से हटाने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास सफल रहे हैं।

प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के उपचुनाव में विजय हासिल करने के चक्कर में भाजपा ने अपनी नीति व सिद्धांतों को भी ताक पर रख दिया है। दौसा सीट पर राजस्थान सरकार में मंत्री डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को प्रत्याशी बनाया है। जबकि दौसा सीट सामान्य वर्ग की सीट है। मगर भाजपा ने डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के दबाव में अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया है। डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भतीजे राजेन्द्र मीणा भी महुआ से विधायक है। इस तरह एक परिवार के तीन लोगों को पार्टी ने टिकट देकर परिवारवाद को बढ़ावा दिया है। वही 2023 के विधानसभा चुनाव में झुंझुनू से भाजपा के प्रत्याशी निशित कुमार उर्फ बबलू के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले राजेंद्र भांभू व रामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी जय आहूजा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले सुखवंत सिंह को टिकट देकर मैदान में उतार दिया है। देवली–उनियारा सीट पर भी भाजपा ने पिछली बार चुनाव लड़े कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैसला का टिकट काटकर पूर्व विधायक राजेंद्र गुर्जर को मैदान में उतारा है। वहीं खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष व नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल को पिछले विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देकर मात्र 2059 वोटो से हारने वाले रेवतराम डागा को फिर से मैदान में उतारा है। चौरासी सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की करारी हार हुयी थी। इस बार भाजपा ने वहां नया प्रत्याशी कारीलाल ननोमा को मैदान में उतारा है। भाजपा प्रत्याशी सीमलवाड़ा पंचायत समिति के प्रधान है तथा सादड़िया के सरपंच रह चुके हैं। अब उनकी पुत्रवधू रेखा सरपंच है। उनकी पत्नी हाकली देवी भी सरपंच रह चुकी है। क्षेत्र में अच्छी पकड़ होने के कारण राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस बार वहां भाजपा कड़ी टक्कर दे सकती है।कांग्रेस को अपनी चार सीट झुंझुनू, दौसा, देवली–उनियारा व रामगढ़ फिर से जितनी होगी। साथ ही अन्य तीन सीटों पर भी अपनी ताकत दिखानी होगी कांग्रेस ने झुंझुनू सें सांसद बने बृजेंद्र सिंह ओला के बेटे अमित ओला को मैदान में उतारा है। अमित ओला ओला परिवार की तीसरी पीढ़ी है तथा उनके दादा शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद नौ बार विधायक केंद्र तथा राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। वहीं रामगढ़ सीट पर दिवंगत विधायक जुबेर खान के पुत्र आर्यन खान को उतार कर सहानुभूति के बल पर चुनाव जीतना चाहती है। दौसा सामान्य सीट पर कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के दीनदयाल बैरवा को टिकट देकर मैदान में उतारा है। देवली–उनियारा से पूर्व अधिकारी कस्तूर चंद मीणा को मैदान में उतारा है। यहां कांग्रेस के बागी नरेश मीणा चुनाव को त्रिकोणात्मक बना रहे हैं। नरेश मीणा को कांग्रेस पार्टी मनाने में नाकाम रही है। जिसके चलते कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति ज्यादा बेहतर नहीं मानी जा रही है। सलूंबर में कांग्रेस ने 2018 में निर्दलिय चुनाव लड़कर कांग्रेस को हराने वाली रेशमा मीणा को मैदान में उतारा है। जिससे नाराज होकर सांसद, विधायक व मंत्री रह चुके रघुवीर मीणा अंदर खाने पार्टी प्रत्याशी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। चौरासी सीट पर कांग्रेस पार्टी ने इस बार 29 साल के नए प्रत्याशी महेश रोत को मैदान में उतारा है। खींवसर सीट पर कांग्रेस पार्टी ने महिला प्रत्याशी रतन चौधरी को मैदान में उतार कर हनुमान बेनीवाल के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई है। जिसका फायदा भाजपा को हो सकता है।खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछला विधानसभा चुनाव वह मात्र 2059 वोटो से जीते थे। फिर कांग्रेस से गठबंधन कर नागौर से सांसद चुने जाने पर उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्होंने अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को मैदान में उतारा है। यहां उनका मुकाबला भाजपा के रेवत राम डागा व कांग्रेस की रतन चौधरी से होगा। हनुमान बेनीवाल ने 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के रेवत राम डागा को महज 2059 वोटो से हराया था। विधानसभा उपचुनाव में यदि हनुमान बेनीवाल की पत्नी चुनाव हार जाती है तो उनकी पार्टी का विधानसभा में प्रतिनिधित्व तो समाप्त होगा ही साथ ही उनका प्रदेश की राजनीति में प्रभाव भी काम हो जायेगा। इसलिए हनुमान बेनीवाल के लिए उपचुनाव में करो व मारो वाली स्थिति बनी हुई है।आदिवासी बहुल चौरासी विधानसभा सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में आप पार्टी के अध्यक्ष राजकुमार रोत 69166 वोटो से चुनाव जीते थे। उनके बांसवाड़ा–डूंगरपुर से सांसद बनने के चलते इस्तीफा देने से खाली हुई चौरासी सीट पर उपचुनाव हो रहा है। आदिवासी बेल्ट में बाप पार्टी का प्रभाव लगातार प्रभाव बढ़ रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में बाप पार्टी के तीन विधायक जीते थे। चौरासी सीट पर कांग्रेस व भाजपा ने भी इस बार नए प्रत्याशियों को मौका दिया है। वही बाप पार्टी का बागी बदामीलाल ताबियाड़ भी चुनाव मैदान में खड़ा है। उनकी पत्नी शर्मिला अभी चिखली पंचायत समिति की प्रधान है। बदामीलाल को पार्टी अध्यक्ष राजकुमार रोत मैदान से हटाने में असफल रहे हैं। सांसद रोत के लिए चौरासी सीट उनकी प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। क्योंकि वह वहां से लगातार दो बार विधायक रह चुके हैं। यदि चौरासी से उनकी पार्टी का प्रत्याशी चुनाव हारता है तो उनके बढ़ते प्रभाव को झटका लगेगा।राजस्थान की सात में से चार विधानसभा सीटों झुंझुनू, देवली–उनियारा, खींवसर में तिकोना व चौरासी में चौकोना मुकाबला होने जा रहा है। झुंझुनू में पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के मैदान में उतरने से मुकाबला तिकोना हो गया।

पटाखों के चलते हिंसा और हत्या

चेतन उपाध्याय

इस दीपावली पर पटाखे के कारण देश में जो कुछ हुआ हैं, उनमें से ज्यादातर में हिन्दू बनाम हिन्दू का मामला है। और निष्कर्ष है कि पटाखों के चलते हिंसा और हत्या के ज्यादातर मामलों में, लड़ाई हिन्दू बनाम हिन्दू की है। कोई 8वीं पास विद्यार्थी भी इंटरनेट पर ये सारे सबूत देख सकता है। यानी कि पटाखों ने हिन्दुओं को आपस में ही बँटने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि यह भी सच है कि धर्म विरोधी का तमगा मिल जाने के डर से अधिकाँश लोग इस सबको चुपचाप सह लेते हैं।

दूसरी बात यह है कि पटाखे के विरोध में गाँव–गाँव और मोहल्ले–मोहल्ले में हो रहे भयंकर विरोध और हिंसा के तमाम मामले थाने और मीडिया तक पहुँचते ही नहीं हैं। धर्म, परंपरा और उत्सव की आड़ में गुंडागर्दी और अराजकता है। और यह देशहित में नहीं है।

कड़वा सच है कि दीपावली का पटाखा हिन्दुओं को हिन्दुओं से लड़ाने का माध्यम बन गया है। उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पुलिस और प्रशासन की जानकारी में ऐसे सैकड़ों मामले हैं जहाँ पर पर्व की आड़ में पटाखे का इस्तेमाल अपने दुश्मनों को सताने और हत्या करने में किया जा रहा है। पटाखे के कारण खुशियों का त्योहार नफरत, हिंसा और मातम का त्योहार बन गया है।

विदेशों में हरियाली का प्रतिशत बहुत ज्यादा होता है और यह हरियाली, आतिशबाजी के शोर और धुंए को सोख लेती है। साथ ही विदेशों में पटाखा फोड़ने के लिए एक बड़ा मैदान होता है जहाँ फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी तैयार रहती है। भारत देश में भी बड़े लोगों के घर के पास आप पटाखा नहीं फोड़ सकते, मगर आम आदमी के साथ,आये दिन कभी धर्म की आड़ में डी.जे. तो कभी पटाखे की ऐसी गुंडागर्दी होती ही रहती है और श्धार्मिकच्य मामला बताकर पुलिस पल्ला झाड़ लेती है।

फिर पुलिस के मूकदर्शक बनने के बाद अपनी और अपने परिवार के सदस्य की जान बचाने के लिए जो भी आदमी, जानलेवा पटाखे का विरोध करता है, उसको धर्म विरोधी कह कर मार दिया जाता है मानो कि पटाखे से लोहवान, गुग्गुलु और चंदन की दिव्य महक आती हो। यह गुंडागर्दी बंद होनी चाहिए।

इसलिए सरकार को चाहिए कि वह आम जनता के साथ ही कोर्ट को बताए कि जिस आतिशबाजी के कारण हर साल अरबों रुपये की संपत्ति आग में

स्वाहा हो जाती है, जिस आतिशबाजी के चलते बेजुबान जानवरों की जान खतरे में पड़ जाती है, जिस आतिशबाजी के कारण देश भर के करोड़ों अस्थमा मरीज तड़पड़ाते हैं, जिस पटाखे के कारण लोग अपनी आँख की रोशनी और सुनने की क्षमता खो दे रहे हैं, जिस पटाखे के शोर और धुएं को रोकने की लड़ाई में लोग आपस में मर–कट कर पुलिस और कोर्ट का बोझ बढ़ा रहे हों, वह पटाखा किसी भी धर्म और परम्परा का हिस्सा नहीं हो सकता।

पटाखे पूरी तरह से बंद हो। ना तो शादी–विवाह में, ना दीपावली–होली पर, ना ईद–बारावफात में और ना ही क्रिसमस–नए साल पर। 1947 से पहले और फिर 1947 से 2024 तक क्या हुआ, इसकी चर्चा में समय नहीं गँवा कर, व्यापक जनहित में अभी से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की सख्त जरुरत है। बारूद की गंध फैलाने का कार्य बंद होना चाहिए और बिना किसी धार्मिक भेदभाव के, साल के 365 दिन, पटाखों पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

किसी भी सभ्य समाज में पटाखों का कोई स्थान नहीं है और बारूदी दुर्गंध फैलाने वाले पटाखों के उत्पादन और बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाना ही एकमात्र विकल्प है। ना रहेगा बाँस और ना बजेगी बाँसुरी।

००

इस दीपावली पर पटाखे के कारण देश में जो कुछ हुआ हैं, उनमें से ज्यादातर में हिन्दू बनाम हिन्दू का मामला है। और निष्कर्ष है कि पटाखों के चलते हिंसा और हत्या के ज्यादातर मामलों में, लड़ाई हिन्दू बनाम हिन्दू की है। कोई 8वीं पास विद्यार्थी भी इंटरनेट पर ये सारे सबूत देख सकता है। यानी कि पटाखों ने हिन्दुओं को आपस में ही बँटने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि यह भी सच है कि धर्म विरोधी का तमगा मिल जाने के डर से अधिकाँश लोग इस सबको चुपचाप सह लेते हैं।

दूसरी बात यह है कि पटाखे के विरोध में गाँव–गाँव और मोहल्ले–मोहल्ले में हो रहे भयंकर विरोध और हिंसा के तमाम मामले थाने और मीडिया तक पहुँचते ही नहीं हैं। धर्म, परंपरा और उत्सव की आड़ में गुंडागर्दी और अराजकता है। और यह देशहित में नहीं है।

कड़वा सच है कि दीपावली का पटाखा हिन्दुओं को हिन्दुओं से लड़ाने का माध्यम बन गया है। उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पुलिस और प्रशासन की जानकारी में ऐसे सैकड़ों मामले हैं जहाँ पर पर्व की आड़ में पटाखे का इस्तेमाल अपने दुश्मनों को सताने और हत्या करने में किया जा रहा है। पटाखे के कारण खुशियों का त्योहार नफरत, हिंसा और मातम का त्योहार बन गया है।

विदेशों में हरियाली का प्रतिशत बहुत ज्यादा होता है और यह हरियाली, आतिशबाजी के शोर और धुंए को सोख लेती है। साथ ही विदेशों में पटाखा फोड़ने के लिए एक बड़ा मैदान होता है जहाँ फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी तैयार रहती है। भारत देश में भी बड़े लोगों के घर के पास आप पटाखा नहीं फोड़ सकते, मगर आम आदमी के साथ,आये दिन कभी धर्म की आड़ में डी.जे. तो कभी पटाखे की ऐसी गुंडागर्दी होती ही रहती है और श्धार्मिकच्य मामला बताकर पुलिस पल्ला झाड़ लेती है।

फिर पुलिस के मूकदर्शक बनने के बाद अपनी और अपने परिवार के सदस्य की जान बचाने के लिए जो भी आदमी, जानलेवा पटाखे का विरोध करता है, उसको धर्म विरोधी कह कर मार दिया जाता है मानो कि पटाखे से लोहवान, गुग्गुलु और चंदन की दिव्य महक आती हो। यह गुंडागर्दी बंद होनी चाहिए।

इसलिए सरकार को चाहिए कि वह आम जनता के साथ ही कोर्ट को बताए कि जिस आतिशबाजी के कारण हर साल अरबों रुपये की संपत्ति आग में स्वाहा हो जाती है, जिस आतिशबाजी के चलते बेजुबान जानवरों की जान खतरे में पड़ जाती है, जिस आतिशबाजी के कारण देश भर के करोड़ों अस्थमा मरीज तड़पड़ाते हैं, जिस पटाखे के कारण लोग अपनी आँख की रोशनी और सुनने की क्षमता खो दे रहे हैं, जिस पटाखे के शोर और धुएं को रोकने की लड़ाई में लोग आपस में मर–कट कर पुलिस और कोर्ट का बोझ बढ़ा रहे हों, वह पटाखा किसी भी धर्म और परम्परा का हिस्सा नहीं हो सकता।

पटाखे पूरी तरह से बंद हो। ना तो शादी–विवाह में, ना दीपावली–होली पर, ना

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज आपके मन में नए–नए विचार आएंगे। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से रिश्तों में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। यह समय अपने व्यवहार और पिछले समय में की गई गलतियों में सुधार लाने का है।

वृष राशि–

आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आपके ऊपर कुछ जिम्मेदारियां रहेगी। कर्म से ही भाग्य को भी बल मिलता है, लिहाजा आपका कर्म प्रधान होना आपको अधिक सकारात्मक बनाएगा।

मिथुन राशि–

आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज कारोबार में छोटी–छोटी बारीकियां समझना जरूरी है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा।

कर्क राशि–

आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आज कुछ उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी इसलिए पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम पर ध्यान देंगे। हालांकि आपकी मेहनत से परेशानी हल हो जाएंगी।

सिंह राशि–

आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज बिजनेस में मौजूदा काम ही पूरे करेंगे। भविष्य को लेकर बनाई योजनाएं सफल होंगी। मिलकर किये गए कामों में मुनाफा होने के योग है। मार्केटिंग संबंधी कार्यों को करने में अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि–

आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आज बाहरी लोगों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत तथा पारिवारिक व्यवस्था पर ना पड़ने दें। पारिवारिक अथवा सामाजिक गतिविधियों में अपने निर्णय को ही सर्वोच्च रखें।

तुला राशि–

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप अपने दिनचर्या में बदलाव करेंगे, जो आपके लिए लाभदायक साबित होगा। आप अपनी पारिवारिक व व्यवसायिक जिम्मेदारियों को बखुबी अंजाम देंगे। यश कीर्ति और मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

वृश्चिक राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज घर में रिश्तेदारों की आवाजाही रहेगी, जिससे घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर करने का प्रयास सफल रहेगा। प्रभावशाली लोगों के साथ जान–पहचान बढ़ेगी,

धनु राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी दिनचर्या व्यवस्थित बनी रहेगी। प्रॉपर्टी संबंधी कोई मामला रुका हुआ है तो उसको हल करने का उचित दिन है। किसी खास व्यक्ति द्वारा आपको उचित सलाह भी

मकर राशि–

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रही समस्याओं से आज कुछ राहत मिलेगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए जो प्रयास किए हैं, उसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे। आज समाज में भी आपकी छवि निखरेगी।

कुंभ राशि

आज आप अपने कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। आज किसी समारोह अथवा सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा। आपकी शिक्षा अथवा करियर से संबंधित रुकावटें दूर होंगी।

मीन राशि–

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी विशेष प्रयास को लेकर आपको अति आत्मविश्वासी होने से बचना चाहिए। किसी बाहरी व्यक्ति का हस्तक्षेप अपने घर परिवार पर ना होने दें। बेहतर होगा कि घर की सभी समस्याएं आपस में ही बैठकर सुलझाने का प्रयास करें।

हमारा देश कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन करने को प्रतिबद्ध है

इस्लामाबाद । मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि उनका देश कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का समर्थन करने को प्रतिबद्ध है। इब्राहिम ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद कहा कि कश्मीर पर हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस्लामाबाद । पाकिस्तान की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका देश कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का समर्थन करने को प्रतिबद्ध है। इब्राहिम ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''कश्मीर पर हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन मानवाधिकारों के मुद्दे निश्चित रूप से हमारी चिंताएं हैं।'इब्राहिम की यह टिप्पणी, स्पष्ट रूप से 1948 के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के संदर्भ में थी। इब्राहिम ने यह भी कहा कि मलेशिया कश्मीर मुद्दे पर ''स्वीकार्य माध्यमों से'' बातचीत जारी रखेगा और प्रार्थना करता है कि ''यह मुद्दा सौहार्दपूर्ण ढंग से हल हो जाए।'' पाकिस्तान और मलेशिया ने अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश, वाणिज्य, कृषि, पर्यटन, शिक्षा और रक्षा सहित विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। द्विपक्षीय बैठकों का जिक्र करते हुए शरीफ ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, ''हमने व्यापार, निवेश के अवसरों, रणनीतिक व रक्षा सहयोग, पर्यटन, कृषि, हरित ऊर्जा, कुशल श्रम और युवा सशक्तीकरण पर चर्चा की।

भारत से दोबारा दोस्ती करने को बेताब मालदीव, मुइज्जू की यात्रा को लेकर विदेश मंत्रालय ने क्या कहा ?

जून 2024 में प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। अपनी यात्रा के दौरान वे बेंगलुरु और मुंबई भी जाएंगे, जहां उनके व्यापारिक कार्यक्रम होंगे।चीन के करीबी मालदीव के राष्ट्रपति को अब भारत की कमी का एहसास होने लगा है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पीएम मोदी से मिलने के लिए दिल्ली आने वाले हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू 7 से 10 अक्टूबर 2024 तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। इससे पहले वे जून 2024 में प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। अपनी यात्रा के दौरान वे बेंगलुरु और मुंबई भी जाएंगे, जहां उनके व्यापारिक कार्यक्रम होंगे। इस साल की शुरुआत में मालदीव के युवा मंत्रालय के उप मंत्रियों को सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने की वजह से निलंबित कर दिया गया था। नई दिल्ली ने माले के समक्ष इस मामले को जोरदार ढंग से उठाया था। मोदी की लक्षद्वीप की यात्रा के बाद सोशल मीडिया एक्स पर उनके पोस्ट को लेकर मालदीव

के उपमंत्रियों ने भारतीय प्रधानमंत्री की आलोचना की थी। भारत और मालदीव के बीच संबंध पिछले साल नवंबर से ही तनावपूर्ण हो गए थे, जब चीन के प्रति झुकाव रखने वाले मुइज्जू ने मालदीव के राष्ट्रपति का पदभार संभाला था। मुइज्जू ने भारत से कहा था कि वह देश द्वारा उपहार में दिए गए तीन विमानन प्लेटफॉर्म का संचालन कर रहे लगभग 90 भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले। भारत ने 10 मई तक अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुला लिया और उनकी जगह डोर्नियर विमान और दो हेलीकॉप्टरों के संचालन के लिए असैन्य कर्मियों को तैनात कर दिया।

नाटो के नए महासचिव मार्क रूट पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली यात्रा पर यूक्रेन पहुंचे

कीव । नाटो के नए महासचिव मार्क रूट ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के तहत यूक्रेन का दौरा किया और देश के लिए निरंतर समर्थन का संकल्प जताया। रूट ने कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। नाटो प्रमुख के दौरे के बीच कीव में हवाई हमले के सायरन दो बार बजाए गए। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के नए महासचिव मार्क रूट ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के तहत बृहस्पतिवार को यूक्रेन का दौरा किया और देश के लिए निरंतर समर्थन का संकल्प जताया। रूट ने कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। नाटो प्रमुख के दौरे के बीच कीव में हवाई

हमले के सायरन दो बार बजाए गए। नाटो के नए प्रमुख ने फरवरी 2022 से रूस के बड़े पैमाने पर आक्रमण का मुकाबला कर रहे यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों का समर्थन बढ़ाने में मदद करने का संकल्प जताया।रूट ने भरोसा जताया कि नवंबर में नाटो के सबसे शक्तिशाली सदस्य अमेरिका का नया राष्ट्रपति चुने जाने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ वह काम कर सकते हैं। यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों का समर्थन जारी रखने की दिशा में नाटो प्रमुख का यह दौरा महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अगले हफ्ते जर्मनी के रैमस्टीन एयर बेस पर नाटो की होने वाली बैठक से पहले युद्ध को लेकर यूक्रेन की आगामी रणनीति पर रूट से चर्चा की। जेलेंस्की और रूट ने युद्ध के मैदान की स्थिति और यूक्रेनी सैन्य इकाइयों की विशिष्ट आवश्यकताओं पर भी चर्चा की। जेलेंस्की ने दोहराया कि यूक्रेन को और अधिक हथियारों की जरूरत है। उन्होंने पश्चिमी देशों से अपील की कि वे रूस के भीतर तक हमला करने के लिए यूक्रेन द्वारा पश्चिमी देशों से प्राप्त किए गए लंबी दूरी के हथियारों के इस्तेमाल पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा दें। रूट ने यूक्रेन के प्रति नाटो के अटूट समर्थन को दोहराया तथा इस बात पर जोर दिया कि ''यूक्रेन पहले से कहीं अधिक नाटो के करीब है।''

नाटो प्रमुख की यात्रा के दौरान यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में पांच मंजिला एक इमारत पर रूसी ग्लाइड बम से हमला हुआ, जिसमें तीन साल की बच्ची समेत कम से कम 12 लोग घायल हो गए।

हितों की खातिर सशस्त्र बलों के लिए 45 अरब रुपये के बजट को मंजूरी दी

सशस्त्र बलों के लिए पाकिस्तान सरकार ने 45 अरब रुपये का अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने का फैसला किया है, ताकि नकदी की कमी से जूझ रहे देश में चीन के वाणिज्यिक हितों की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर बाड़ लगाने का प्रबंधन करने की उसकी क्षमता को मजबूत किया जा सके। पाकिस्तान सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए 45 अरब रुपये का अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने का फैसला किया है, ताकि नकदी की कमी से जूझ रहे देश में चीन के वाणिज्यिक हितों की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर बाड़ लगाने का प्रबंधन करने की उसकी क्षमता को मजबूत किया जा सके। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, यह निर्णय बृहस्पतिवार को कैबिनेट की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने की।अखबार ने कहा कि 45 अरब रुपये में से 35.4 अरब रुपये सेना को और 9.5 अरब रुपये नौसेना को विभिन्न उद्देश्यों के लिए दिए जाएंगे। ईसीसी ने चालू वित्त वर्ष के दौरान रक्षा सेवाओं की पहले से स्वीकृत परियोजनाओं के लिए 45 अरब रुपये के तकनीकी अनुपूरक अनुदान के लिए रक्षा प्रभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर विचार किया और उसे मंजूरी दी। जून में बजट की मंजूरी

के बाद सशस्त्र बलों के लिए स्वीकृत यह दूसरा बड़ा अनुपूरक अनुदान है। इससे पहले ईसीसी ने 'ऑपरेशन अज्म–ए–इस्तेहकाम' के लिए 60 अरब रुपये दिए थे। ये अनुपूरक अनुदान 2127 अरब रुपये के रक्षा बजट के अतिरिक्त है। आतंकवादी हमलों की बढ़ती संख्या के कारण, चीन ने अपनी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए आतंकवाद विरोधी सहयोग पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की मांग की है। चीन ने पाकिस्तान में पहले से काम कर रहे अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक संयुक्त कंपनी की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा है।

भारत के मोस्ट वांटेड का इस्लामाबाद में गर्मजोशी से स्वागत, भारत ने किया इस अंदाज में रिएक्ट

रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह निराशाजनक है और निंदनीय लेकिन आश्चर्य की बात नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि किस पासपोर्ट या कागजात पर वो पाकिस्तान गया इसकी हमें जानकारी नहीं है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत को परेशान करने के उद्देश्य से पाकिस्तान ने कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक का तीन सप्ताह की लंबी यात्रा पर पहुंचने पर राजकीय स्वागत किया गया। जाकिर नाइक भारत के सबसे वांछित चरमपंथियों में से एक है, जिस पर नफरत भरे भाषण देने, आतंकवादियों को फंडिंग करने और मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देने के आरोप हैं। भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए मलेशिया में छिपा हुआ है। जाकिर के पाकिस्तान में ग्रैंड वेलकम पर भारत की तरफ से प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमने रिपोर्ट देखी है कि उसे (जाकिर नाइक) पाकिस्तान में दाखिल कर दिया गया है और वहां उसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। यह हमारे लिए आश्चर्य की बात नहीं है कि एक भारतीय भगोड़े का पाकिस्तान में उच्च स्तरीय स्वागत किया गया। रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह निराशाजनक है और निंदनीय लेकिन आश्चर्य की बात नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि किस पासपोर्ट या कागजात पर वो पाकिस्तान गया इसकी हमें जानकारी नहीं है। लेकिन एक चीज हम साफ कर देना चाहते हैं कि मलेशिया के प्रधानमंत्री जब भारत आए थे तो इस मुद्दे को लेकर उनसे बात की गई थी। पाकिस्तान भारत के दुश्मन की ऐसी खातिरदारी कर रहा है

मानों कोई बहुत बड़ा शख्स उसके देश पहुंच गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो मानो जाकिर से मिलकर फूले नहीं समा रहे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आपका स्वागत है। लोग आपकी आवाज और उपदेश को सुनने का इंतजार कर रहे हैं। आपका पाकिस्तान में होना हमारे लिए खुसी की बात है। जाकिर की तारीफ के कसीदे यही खत्म नहीं होते। शहबाज ने तो मानो खुद को पूरी दुनिया के मुसलमानों का नुमाइंदा मान लिया हो। जहरीले जाकिर को ये तक कह दिया कि दुनियाभर के मुसलमान उससे बहुत खुश हैं। शहबाज ने कहा कि दीन और इस्लाम के लिए आपका योगदान शानदार रहा है। मुस्लिम वर्ल्ड आपसे बहुत खुश है। जाकिर नाइक को भी यकीन नहीं हो पा रहा था कि आखिर उसकी इतनी खातिरदारी क्यों की जा रही है। बदले में उसने भी कह दिया कि उसका पाकिस्तान आना बरसों का सपना था।

लेबनान–ईरान में कितने भारतीय ? पश्चिम एशिया में टेंशन पर आया भारत ने दी प्रतिक्रिया

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अभी तक, इजराइल, ईरान और अन्य देशों से उड़ानें चल रही हैं, इसलिए लोगों के पास विकल्प है कि वे चाहें तो निकल सकते हैं। परिवारों ने हमसे और हमारे दूतावासों से संपर्क किया है, लेकिन इस समय, हमारे पास कोई निकासी प्रक्रिया नहीं चल रही है।इजरायल ने लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं। वहीं ईरान की तरफ से इजरायल पर मिसाइल दागने के बाद मीडिल ईस्ट में हालात और गंभीर हो गए हैं। इजरायल की तरफ से पलटवार की आशंका तेज हो गई है। पश्चिम एशिया मुद्दे पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने

कुछ दिन पहले एक बयान जारी कर गहरी चिंता व्यक्त की थी। हमने कहा कि हिंसा और स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है। हमने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा का आह्वान दोहराया था। हमारी राय में यह महत्वपूर्ण है कि यह संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय आयाम न ले ले। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अभी तक, इजराइल, ईरान और अन्य देशों से उड़ानें चल रही हैं, इसलिए लोगों के पास विकल्प है कि वे चाहें तो निकल सकते हैं। परिवारों ने हमसे और हमारे दूतावासों से संपर्क किया है, लेकिन इस समय हमारे पास कोई निकासी प्रक्रिया नहीं चल रही है। लेबनान में हमारे लगभग 3,000 लोग हैं, जिनमें से ज्यादातर बेरूत में हैं। ईरान में हमारे लगभग 10,000 लोग हैं, जिनमें से लगभग 5,000 छात्र हैं। इजराइल में हमारे लगभग 30,000 लोग हैं जिनमें से ज्यादातर कर्मचारी हैं। इससे पहले 2 अक्टूबर को विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि हम क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में हालिया वृद्धि पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। भारतीय नागरिकों को ईरान की सभी गैर–जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है। वर्तमान में ईरान में रहने वालों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और तेहरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें।

कमान संभालना मतलब मौत को गले लगाना जैसा, Nasrallah की मौत को हफ्ता भी नहीं बीता और मारा गया नया चीफ!

सात दिन भी नहीं हुए और खबर आ रही है कि हिजबुल्ला के नए चीफ पर जोरदार हमला हुआ है। हालांकि किसी की भी तरफ से हाशेम सफीद्दीन की मौत को लेकर पक्की की खबर नहीं आई है। हसन नसरल्लाह के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह के नए चीफ यानी इस संगठन के नए कमांडर हिज्बुल्लाह की एग्जिक्यूटिव काउंसिल का चीफ हाशेम साफीद्दीन को बनाए जाने की खबर सामने आई थी। हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह की मौत को अभी हफ्ता भर भी नहीं बीता है। जुमे के दिन प्रार्थना सभा भी आयोजित नहीं हुई थी। तभी एक और खबर आ गई। हिजबुल्ला के नए चीफ की मौत की खबर आ रही है। जानकारी मिल रही है कि हिजबुल्ला के नए चीफ पर भी इजरायल ने उसी तरीके से हमला किया जिस तरह हसन नसरल्लाह पर किया था। सात दिन भी नहीं हुए और खबर आ रही है कि हिजबुल्ला के नए चीफ पर जोरदार हमला हुआ है। हालांकि किसी की भी तरफ से हाशेम सफीद्दीन की मौत को लेकर पक्की की खबर नहीं आई है। हसन नसरल्लाह के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह के नए चीफ यानी इस संगठन के नए कमांडर हिज्बुल्लाह की एग्जिक्यूटिव काउंसिल का चीफ हाशेम साफीद्दीन को बनाए जाने की खबर सामने आई थी। इस खबर के कुछ ही दिन गुजरे थे कि अब इजरायल ने हाशेम साफीद्दीन को निशाना बनाकर जोरदार हमला किया। हालांकि अभी ये साफ नहीं हुआ है कि इस

हमले में वो बच गए हैं या मारे गए हैं। लेबनानी मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए इजरायल ने दावा किया कि आईडीएफ ने कथित तौर पर बेरूत के दहिम में हाशेम साफीद्दीन को मारने की कोशिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये हमला नसरल्लाह को मारने वाले हमले से कहीं ज्यादा बड़ा था। यानी जिस तरह का हमला नसरल्लाह को मारने के लिए किया गया उससे भी ज्यादा घातक अटैक साफीद्दीन के लिए किया गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार आधी रात में इजरायल ने बेरूत पर भीषण हमलों को अंजाम दिया था। इससे जुड़ी कई तस्वीरें भी सामने आई। कहा जा रहा है कि साफीद्दीन इस वक्त एक अंडरग्राउंड बंकर में हिजबुल्ला के कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर रहा है। हिजबुल्ला के नए चीफ की क्या हालत है इसके बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी बाहर नहीं आई है। इजरायल द्वारा नसरल्लाह को मारे जाने के बाद से ये इस क्षेत्र में की गई सबसे भीषण बमबारी बताई जा रही है।

तेहरान में ग्रैंड मस्जिद के बाहर उमड़ी भीड़, नसरल्लाह की मौत के बाद पहली पब्लिक अपीयरेंस में दुनियाभर के मुसलमानों से खामनेई ने ये क्या अपील कर दी ?

मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि बेरूत में हिजबुल्लाह मुख्यालय पर इजरायली हमलों के बाद खामेनेई को एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया था। ईरान के सर्वोच्च नेता ने देश के नाम पर अपने संबोधन की शुरुआत लोगों से एकजुट रहने की अपील के साथ की।ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने तेहरान की ग्रैंड मस्जिद में नमाज अदा की। हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्ला की हत्या के प्रतिशोध में ईरान द्वारा इजराइल पर 200 मिसाइलें दागे जाने के कुछ दिनों बाद वो लगभग पांच वर्षों में अपनी पहली तकरीर भी दी। एक वीडियो में लोगों को मारे गए हिजबुल्लाह नेता के स्मृति समारोह के लिए इकट्ठा होते दिखाया गया है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि बेरूत में हिजबुल्लाह मुख्यालय पर इजरायली हमलों के बाद खामेनेई को एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया था। ईरान के सर्वोच्च नेता ने देश के नाम पर अपने संबोधन की शुरुआत लोगों से एकजुट

रहने की अपील के साथ की। उन्होंने कहा कि आप लोग अल्लाह के बताए रास्ते से नहीं हटे। मुसलमान एकजुट होकर रहना होगा। हमें प्यार मोहब्बत से रहना होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि दुश्मन ने फिलिस्तीन–लेबनान में मुस्लिमों पर हमले किए, ईरान ने मिसाइल से जवाब दिया।पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को एक आपातकालीन बैठक की। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि उनके देश ने इजराइल पर लगभग 200 मिसाइल दागी थीं, ताकि इजराइल की हिंसा को रोका जा सके, जबकि उनके इजराइली समकक्ष ने इस हमले को आक्रामकता का अभूतपूर्व कृत्य करार दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प व्यक्त किया, वहीं एक ईरानी कमांडर ने धमकी दी कि अगर इजराइल ने ऐसा किया तो वे बुनियादी ढांचे पर व्यापक हमले करेंगे। लेबनान में इजरायल का अटैक जारी इजरायल ने मध्य बेरूत की एक इमारत को निशाना बनाकर हवाई हमला किया, जिससे नौ लोगों की मौत हो गई। इन लोगों को हिजबुल्ला का सदस्य बताया गया है। इजराइल सितंबर के अंत से ही लेबनान के उन क्षेत्रों पर बमबारी कर रहा हैजहां उग्रवादी समूह हिजबुल्ला की मजबूत उपस्थिति है, लेकिन राजधानी बेरूत के मध्य क्षेत्र को शायद ही कभी निशाना बनाया गया हो। बुधवार देर रात हुए हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई थी, जिसमें मध्य बेरूत में एक इमारत को निशाना बनाया गया। यह इमारत संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, प्रधानमंत्री कार्यालय और संसद से ज्यादा दूर नहीं है। वहीं, हिजबुल्ला की नागरिक सुरक्षा इकाई ने कहा कि उसके सात सदस्य मारे गये हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में कौन होगा रोहित शर्मा का रिप्लेसमेंट ?

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2025 के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से इस टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में पर्थ में उनके स्थान पर कौन ओपनिंग करेगा? ये सबसे बड़ा सवाल है। क्या अभिमन्यु ईश्वरन का डेब्यू होगा या केएल राहुल ओपनिंग करेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2025 के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से इस टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में पर्थ में उनके स्थान पर कौन ओपनिंग करेगा? ये सबसे बड़ा सवाल है। क्या अभिमन्यु ईश्वरन का डेब्यू होगा या केएल राहुल ओपनिंग करेंगे। फिलहाल, ये विकल्प नजर आ रहे। शायद इसी कारण से केएल राहुल को बाकी स्क्वॉड से पहले ऑस्ट्रेलिया भेजा गया और वो ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में ओपनिंग के लिए भी उतरे। लेकिन 4 रन ही उनका खेल खत्म हो गया।

ध्रुव जुरेल चमके पर नहीं चले राहुल, उछाल लेती पिच पर भारत ए रहा नाकाम

ध्रुव जुरेल ने अपनी शानदार तकनीक और संयम के साथ खेलने के कौशल का अच्छा नमूना पेश किया लेकिन भारत ए के अन्य बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय क्रिकेट मैच के पहले दिन गुरुवार को यहां उछाल लेती पिच पर संघर्ष करते नजर आए।विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपनी शानदार तकनीक और संयम के साथ खेलने के कौशल का अच्छा नमूना पेश किया लेकिन भारत ए के अन्य बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय क्रिकेट मैच के पहले दिन गुरुवार को यहां उछाल लेती पिच पर संघर्ष करते नजर आए।भारत ए की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 57.1 ओवर में 161 रन पर आउट हो गई। इनमें लगभग आध ो रन तीसरे ओवर में बल्लेबाजी करने आए जुरेल (186 गेंदों पर 80 रन) ने बनाए। उनके अलावा 20 रन का आंकड़ा पार करने वाले अन्य बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल (26) थे।जुरेल की तरह इस मैच में खेलने के लिए विशेष रूप से यहां पहुंचे केएल राहुल फिर से असफल रहे और केवल चार रन बनाकर स्कॉट बोलैंड की गेंद पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक माइकल नेसर ने 27 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने पहले ओवर में ही भारत को करारा झटका दिया जिससे भारतीय टीम आखिर तक नहीं उबर पाई।स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया ए ने जवाब में दो विकेट पर 53 रन बना लिए थे। भारतीय गेंदबाजों में मुकेश कुमार फिर से सर्वश्रेष्ठ नजर आए। पहले दिन का आकर्षण जुरेल की पारी रही। उन्होंने उछाल लेती पिच पर न सिर्फ ध ैर्य से बल्लेबाजी की बल्कि लेंथ का भी सही आकलन किया।बोलैंड पर लगाया गया उनका छक्का दर्शनीय था।भारतीय टीम में ऋषभ पंत पहली पसंद के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, लेकिन जुरेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए मध यक्रम के बल्लेबाज के रूप में अपना दावा ठोक दिया है। उन्हें सरफराज खान की जगह अंतिम एकादश में लिया जा सकता है।राहुल भले ही नहीं चल पाए लेकिन अगर रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाते हैं तो टीम प्रबंधन सलामी बल्लेबाज के रूप में उन पर भरोसा दिखा सकता है क्योंकि इस स्थान के एक अन्य दावेदार अभिमन्यु ईश्वरन यहां की परिस्थितियों में फिर से असफल रहे और खाता खोले बिना पवेलियन लौटे।

शाहा के संन्यास वापस लेने के पीछे सौरव गांगुली का हाथ, 4 दिन पहले ही किया था ऐलान

विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धीमान साहा ने 3 नवंबर को संन्यास का ऐलान किया था। अब साहा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा था कि वह उनका आखिरी रणजी सीजन होगा, जिसमें वह बंगाल के लिए खेल रहे हैं। अब साहा ने बताया कि कैसे उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के कहने पर अपने संन्यास का फैसला बदल लिया था। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धीमान साहा ने 3 नवंबर को संन्यास का ऐलान किया था। अब साहा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा था कि वह उनका आखिरी रणजी सीजन होगा, जिसमें वह बंगाल के लिए खेल रहे हैं। अब साहा ने बताया कि कैसे उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के कहने पर अपने संन्यास का फैसला बदल लिया था। बता दें कि, साहा ने बीते दो साल त्रिपुरा के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला और पिछले सीजन में त्रिपुरा के लिए खेलने के बाद वह संन्यास लेने के लिए पूरी तरह तैयार थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से साहा ने कहा कि, मैं इस साल नहीं खेलता, लेकिन सौरव गांगुली और मेरी पत्नी ने मुझे त्रिपुरा के साथ दो सीजन के बाद बंगाल के खेलने और उनके साथ खत्म करने के लिए प्रेरित किया। शाह खेलने के लिए तैयार हो गए, लेकिन उन्होंने इस बात को साफ कर दिया कि वह घरेलू क्रिकेट में सिर्फ रेड बॉल फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे। शाह ने अपनी शारीरिक सीमाओं और युवा खिलाड़ियों को मौके देने के इरादे से ये फैसला किया था। शाह ने गुजरात टाइटंस को भी इस बात की जानकारी दे दी थी कि वह रणजी ट्रॉफी में फोकस करने के लिए आईपीएल नहीं खेलेंगे।

पीसीबी ने बीसीसीआई से की डिमांड, कहा– लिखित में चौंपियंस ट्राफी में हिस्सा लेगा या नहीं...

आईसीसी आमतौर पर तीन महीने शेड्यूल का ऐलान कर देता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 10 से 12 नवंबर के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल का भी ऐलान हो जाएगा। ऐलान से पहले पाकिस्तानी मीडिया ने बड़ा दावा किया है। वहां छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से लिखित में जवाब मांगा है कि टीम इंडिया पाकिस्तान जाएगी या नहीं। पाकिस्तान में अगले साल चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होने वाला है। आईसीसी आमतौर पर तीन महीने शेड्यूल का ऐलान कर देता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 10 से 12 नवंबर के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल का भी ऐलान हो जाएगा। ऐलान से पहले पाकिस्तानी मीडिया ने बड़ा दावा किया है। वहां छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड से लिखित में जवाब मांगा है कि टीम इंडिया पाकिस्तान जाएगी या नहीं। क्रिकेट पाकिस्तान के मुताबिक पीसीबी चाहता है कि भारत लिखित में हां या न में जवाब दे। पीसीबी के सीओओ सलमान नसीर दुबई में हैं और आईसीसी अधिकारियों से बात कर रहे हैं। नसीर से पहले पीसीबी चौयरमैन ने शेड्यूल तय होने से पहले आईसीसी अधिकारियों से बात की थी। पाकिस्तान को लंबे समय बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। हालांकि, भारत का इ टूर्नामेंट में हिस्सा लेना अभी तय नहीं है। भारतीय सरकार ने इससे पहले कभी टीम को पाकिस्तान भेजने के लिए कोई आधिकारिक पत्र नहीं दिया है और रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार भी ऐसा नहीं करेंगे। पीसीबी का कहना है कि बीसीसीआई भारतीय सरकार की अनुमति लेकर लिखित में जवाब दे। अगर ऐसा नहीं होता है तो आईसीसी जो शेड्यूल जारी करेगा उसमें भारत के मैच पाकिस्तान में ही होंगे। अगर भारत हिस्सा लेने से इनकार करता है तो आईसीसी ने बैकअप प्लान तैयार किया हुआ है। वह बजट को रिवाइज करेगा लेकिन इस बारे में और जानकारी नहीं दी गई है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कुछ समय चौंपियंस ट्रॉफी को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा कि, फिलहाल किसी तरह का स्टैंड नहीं लिया गया है। लेकिन जब आएगा तो तय कर लिया जाएगा। भारतीय टीम 2008 के बाद से पाकिस्तान नहीं गई है। भारतीय टीम एशिया कप के लिए भी पाकिस्तान नहीं गई थी। उसने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे, पिछली बार एशिया कप का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत हुआ था।

रश्बिन उथप्पा ने रचिन रविंद्र को लेकर किया बड़ा खुलासा, भारत की हार के पीछे –सीएसके

रॉबिन उथप्पा ने चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा रचिन रविंद्र को सीएसके एकैडमी में प्रैक्टिस करने की अनुमति देने के लिए आलोचना की है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले रचिन ने आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में अभ्यास किया था। भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा रचिन रविंद्र को सीएसके एकैडमी में प्रैक्टिस करने की अनुमति देने के लिए आलोचना की है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले रचिन ने आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में अभ्यास किया था। रविंद्र ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले सीएसके अकादमी गए थे और भारतीय परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए वहां ट्रेनिंग की थी। रचिन रविंद्र के लिए सीएसके अकादमी में प्रैक्टिस करने का फैसला काफी सही साबित हुआ। उन्होंने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बेंगलुरु में खेले गए मैच में 134 रन की दमदार पारी खेली और फिर दूसरी पारी में नाबाद 39 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 36 साल में पहली बार टेस्ट मैच जीता और मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए रचिन रविंद्र को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अवॉर्ड लेने के दौरान रविंद्र ने बताया कि कैसे चेन्नई में की गई तैयारी से उन्हें अपनी बल्लेबाजी में मदद मिली। हाल ही में उथप्पा ने सीएसके द्वारा अपनी एकेडमी में अभ्यास की अनुमति देने के कदम की आलोचना करते हुए कहा था कि एक लाइन खींचनी होगी क्योंकि देश हमेशा फ्रेंचाइजी से पहले आता है। उथप्पा ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा कि, रचिन रविंद्र यहां आए और सीएसके अकादमी में प्रैक्टिस किया। सीएसके एक खूबसूरत फ्रेंचाइजी है, जो हमेशा अपने फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों का ख्याल रखती है लेकिन एक रेखा खींचनी होगी जहां देश का हित आपके फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों से आगे आता है। खासकर जब वह विदेशी खिलाड़ी हो और आपके देश के खिलाफ खेलने आया हो। रविंद्र ने तीन टेस्ट मैच की सीरीज में न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक 256 रन बनाए और उनका औसत 51.20 रहा बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के माता–पिता दीपा और रवि कृष्णमूर्ति बेंगलुरु के रहते वाले हैं। उनके दादा–दादी अब भी इस भारतीय शहर में रहते हैं।

अल्जारी जोसेफ की बीच मैच में कप्तान से भिड़े, गुस्से में छोड़ा मैदान

दरअसल, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की कप्तान शे होप से बीच मैदान में तू तू मैं मैं हो गई। जोसेफ कप्तान से इतना गुस्सा हो गए थे कि वह बीच मैच में मैदान छोड़कर बाहर चले गए। ये नजारा देख कर हर कोई हैरान था। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड तीसरे वनडे के दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसकी शायद ही किसी को उम्मीद नहीं थी। दरअसल, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की कप्तान शे होप से बीच मैदान में तू तू मैं मैं हो गई। जोसेफ कप्तान से इतना गुस्सा हो गए थे कि वह बीच मैच में मैदान छोड़कर बाहर चले गए। ये नजारा देख कर हर कोई हैरान था। बताया जा रहा है कि अल्जारी जोसेफ कप्तान शे होफ द्वारा सेट की गई फील्डिंग से नाखुश थे, जब उन्होंने कप्तान से इसे बदलने की बात कही तो उन्होंने इनकार कर दिया जिससे वह गुस्सा हो गए। ये घटना इंग्लैंड के पारी के चौथे ओवर की है। जोसेफ फील्डिंग पोजिशन से नाखुश थे, वह स्लिप के फील्डर को कुछ इशारा करते हुए नजर आए। कुछ देर तक ये ड्रामा चला, लेकिन शायद अल्जारी जोसेफ की बात नहीं सुनी गई। इसके बाद उन्होंने गुस्से में गेंदबाजी करना शुरू की। ओवर की चौथी गेंद उन्होंने बाउंसर डाली जिस पर इंग्लिश बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स आउट हो गए। जोसेफ का गुस्सा विकेट मिलने पर भी शांत नहीं हुआ। ना तो उन्होंने विकेट मिलने का जश्न मनाया और ना ही टीम के साथ इसकी खुशी मनाई। उस दौरान मैदान पर आए वेस्टइंडीज के एक्स्ट्रा खिलाड़ी ने जोसेफ को शांत कर उनका मुंह साफ करना चाहा, लेकिन गुस्से में गेंदबाज ने खिलाड़ी का हाथ हटा दिया। ओवर खत्म होने के बाद जोसेफ मैदान छोड़कर बाहर चले गए। ये नजारा देख डैरेन सैमी भी

त्वचा को निखाने और स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है सी बकथार्न फ्रूट तेल

सी बकथॉर्न फ्रूट तेल एक प्राकृतिक उपाय है, जो आपकी त्वचा को निखारने और उसे स्वस्थ बनाने में मदद करता है।यह तेल विटामिन्स, मिनरल्स और एंटी–ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।इसके नियमित उपयोग से आप अपनी त्वचा को पुनर्जीवित कर सकते हैं और उसे मुलायम और चमकदार बना सकते हैं।आइए इस एसेंशियल ऑयल से मिलने वाले त्वचा संबंधी लाभों के बारे में जानते हैं।चेहरे की चमक बढ़ाने में है कारगरसी बकथॉर्न फ्रूट तेल का नियमित उपयोग आपके चेहरे की चमक बढ़ा सकता है। इसमें मौजूद विटामिन–सी और विटामिन–ई आपकी त्वचा को पोषण देते हैं और उसे निखारते हैं।इसे अपने नमी देने वाले क्रीम में मिलाकर रोजाना इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार बनेगी।इसके अलावा यह तेल आपकी त्वचा की गहराई तक जाकर उसे स्वस्थ बनाता है, जिससे आपका चेहरा ताजगी से भर जाता है।झुर्रियों को कम करने में है सहायकसी बकथॉर्न फ्रूट तेल में एंटी–ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। यह तेल आपकी त्वचा की लचक बढ़ाता है, जिससे झुर्रियां कम होती हैं और त्वचा को जवां बनाए रखता है।इसे रात में सोने से पहले अपने चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।इससे तेल आपकी त्वचा में अच्छे से समा जाएगा और आपको सुबह निखरी हुई त्वचा मिलेगी। मुंहासों से छुटकारा दिलाने में है प्रभावीमुंहासों की समस्या से परेशान लोग भी सी बकथॉर्न फ्रूट तेल का उपयोग कर सकते हैं। इसमें बैक्टीरिया हटाने वाले गुण होते हैं, जो मुंहासों को दूर करने में मदद करते हैं।इसे सीधे मुंहासों पर लगाएं या फिर फेस पैक में मिलाकर इस्तेमाल करें। इसके अलावा यह तेल त्वचा की सूजन को कम करता है और उसे साफ–सुथरा बनाता है।नियमित उपयोग से आपकी त्वचा साफ और स्वस्थ दिखेगी, जिससे मुंहासों की समस्या भी कम होगी।सूखी त्वचा के लिए है लाभदायकसूखी त्वचा वालों के लिए सी बकथॉर्न तेल एक बेहतरीन उपाय है। यह तेल गहराई तक जाकर आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है, जिससे सूखापन दूर होता है।इसे अपने बॉडी लोशन या क्रीम में मिलाकर रोजाना इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा मुलायम और स्वस्थ बनेगी।इसके नियमित उपयोग से आपकी त्वचा की नमी बनी रहती है और रूखापन कम होता है, जिससे त्वचा का प्राकृतिक निखार बरकरार रहता है।सनबर्न का कर सकता है इलाज अगर आपको धूप में ज्यादा समय बिताना पड़ता है तो सी बकथॉर्न फ्रूट तेल आपके काम आ सकता है।इसमें सन प्रोटेक्शन गुण होते हैं, जो आपको सनबर्न से बचाते हैं। धूप में जाने से पहले इसे अपनी त्वचा पर लगाएं

वजन घटाने के लिए कीटो डाइट है कारगर, इसका पालन करते समय खाएं ये 5 स्नैक्स

इन दिनों लोग वजन को नियंत्रित रखने के लिए कीटो डाइट का पालन करते हैं, जो असल में फायदेमंद होती है। यह एक लोकप्रिय डाइट है, जो उच्च वसा और कम कार्ब वाले खाद्य पदार्थों पर केंद्रित होती है।कार्ब को घटाने से शरीर कीटोसिस की स्थिति में आ जाता है, जिसके कारण वजन घटाने में मदद मिलती है। आप इस डाइट का पालन करते समय ये 5 स्नैक्स खा सकते हैं।

एवोकाडो

आप अपने कीटोसिस के स्तर को बनाए रखने और ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एवोकाडो खा सकते हैं। इसमें अच्छी मात्रा में स्वस्थ मोनोअनसैचुरेटेड वसा और फाइबर मौजूद होता है, जिससे आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ रह सकता है।इसमें पोटैशियम, विटामिन के और विटामिन ई भी पाए जाते हैं, जिनके जरिए तृप्ति की भावना बढ़ जाती है। आप एवोकाडो को छीलकर टुकड़ों में काटकर खा सकते हैं या इससे गुआकामोल बना सकते हैं।

जुकीनी के चिप्स

अगर आपको स्नैक के तौर पर चिप्स खाना पसंद है, तो आप आलू के चिप्स के बजाय जुकीनी के चिप्स खा सकते हैं।इनमें कार्ब और कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिसके कारण आप इन्हें कीटो डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। जुकीनी के चिप्स बनाने के लिए सबसे पहले जुकीनी को गोल और पतले आकार में काट लें।अब इनपर नमक, जैतून का तेल और काली मिर्च लगाकर इन्हें बेक कर लें।गुआकामोल के साथ खीरा

कीटो डाइट का पालन कर रहे लोग स्नैक के तौर पर खीरे के टुकड़े और गुआकामोल खा सकते हैं।खीरे में कार्ब कम होते हैं और पानी की मात्रा अधिक होती है। इसके जरिए आप हाइड्रेटेड रह सकते हैं और आपको वजन घटाने में मदद मिल सकती है।इसके साथ आप मेक्सिकन गुआकामोल खा सकते हैं, जो एवोकाडो को इस्तेमाल करके बनाई जाने वाली डिप होती है। इसकी रेसिपी के लिए आपको एवोकाडो में सब्जियां और मसाले मिलाने होंगे।डार्क चॉकलेट

ज्यादातर लोग चॉकलेट को अस्वस्थ मानते हैं, लेकिन आप इसके अपनी कीटो डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। आपको स्नैक के तौर पर डार्क चॉकलेट को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए।इसमें अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर होता है, जिनके जरिए पेट लंबे समय तक भरा रहता है और वजन घटाने में मदद मिलती है।हालांकि, आपको बिना चीनी वाली डार्क चॉकलेट ही खानी चाहिए, वार्ना आपका वजन बढ़ सकता है।चीजकई लोग वजन घटाने वाली डाइट में चीज को शामिल नहीं करते हैं।

रजनीकांत–बिग बी की फैंस को मिला बड़ा तोहफा, वेट्टैयन की ओटीटी रिलीज डेट से उठा पर्दा

रजनीकांत और अमिताभ बच्चन अभिनीत वेट्टैयन टीजे ज्ञानवेल द्वारा लिखित और निर्देशित है। वेट्टैयन 10 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब वह ओटीटी पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जो लोग सिनेमाघरों में फिल्म को देखने से चूक गए हैं, अब वे घर बैठे फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि फिल्म कब और कहां रिलीज होने वाली है।

स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने वेट्टैयन की ओटीटी रिलीज की घोषणा की है। फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए इसकी ओटीटी प्रीमियर की रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया गया है। प्राइम वीडियो इंडिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर वेट्टैयन का एक पोस्टर साझा किया।पोस्टर में रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, फहद फासिल और राणा दग्गुबाती हैं। पोस्टर साझा करते हुए उन्होंने घोषणा की कि एक्शन–ड्रामा फिल्म 8 नवंबर से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा गया, वेट्टैयन के आगमन की तारीख तय हो गई है। प्राइम, वीडियो पर वेट्टैयन देखें 8 नवंबर को। फिल्म के कलाकारों की बात करें तो इसमें रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, फहद फासिल और राणा दग्गुबाती के अलावा मंजू वारियर, किशोर, रितिका सिंह, दुशरा विजयन, जीएम सुंदर, अबिरामी, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में रजनीकांत ने अथियन की भूमिका निभाई है। वह एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी है, जो एक शिक्षक की हत्या की जांच करते समय मुठभेड़ के दौरान गलती से एक निर्दोष व्यक्ति को गोली मार देता है। वेट्टैयन को टीजे ज्ञानवेल ने लिखा और निर्देशित किया है। संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। गाने मनासिलायो और हंटर वंतार चार्टबस्टर बन गए हैं। लाइका प्रोडक्शंस ने फिल्म का निर्माण किया है। कैमरा एसआर कथिर ने संभाला है। आईएससी बी किरुथिका ने पटकथा लिखी है। तकनीकी दल के अन्य सदस्यों में प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में के कादिर, स्टंट संभालने वाले अनबरीव, संपादक फिलोमिन राज और कला निर्देशक शक्ति वेंकटराज एम शामिल हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी की द मैजिक आफ शिरी को मिली रिलीज तारीख, जानिए कब और कहां देखें

छोटे पर्दे की जानी–मानी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी पिछले लंबे समय से वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शिरी को लेकर चर्चा में

हैं।उनकी यह सीरीज पिछले साल 13 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन किसी कारण निर्माताओं ने इसकी रिलीज टाल दी।अब द मैजिक ऑफ शिरी की नई रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। आइए जानते हैं इस सीरीज को आप कहां और कब देख सकते हैं।द मैजिक ऑफ शिरी का प्रीमियर 14 नवंबर, 2024 से जियो सिनेमा पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मेहरबान कदरदान साहिबान, हो जाए तैयार, क्योंकि जल्द ही छाएगा शिरी का जादू।जावेद जाफरी और दास नमिता भी इस सीरीज का अहम हिस्सा हैं।द मैजिक ऑफ शिरी की कहानी एक घरेलू महिला के संघर्ष को दिखाती है, जो घरेलू कामकाजी की दुनिया से निकलकर ऐसा काम करना चाहती है, जिसमें उसकी दिलचस्पी है।

बाक्स आफिस पर भूल भुलैया 3 का बाक्स आफिस पर कब्जा, पांचवें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की फिल्म भूल भुलैया 3 को दिवाली के मौके पर यानी 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक देते ही बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया है। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म को देखने के

लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है।शुरुआती तीन दिन टिकट खिड़की पर खूब नोट छापने के बाद अब कामकाजी दिनों फिल्म की दैनिक कमाई की रफ्तार धीमी हो गई है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल भुलैया 3 ने पांचवें दिन यानी मंगलवार को 13 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 137 करोड़ रुपये हो गया है।भूल भुलैया 3 ने 35.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 37 करोड़ रुपये का कारोबार करने में सफल रही है।तीसरे दिन इस फिल्म ने 33.5 करोड़ रुपये और चौथे दिन 17.50 करोड़ रुपये कमाए। भूल भुलैया 3 के निर्देशक अनीस बाज्मी हैं। छोटे पंडित के रूप में राजपाल यादव, पंडिताइन के रोल में अश्विनी कालसेकर और बड़े पंडित के किरदार में संजय मिश्रा की तिकड़ी ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन कर रही है।माधुरी दीक्षित और विद्या बालन ने भी इस फिल्म में अभिनय किया है। दोनों की अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है।भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया का तीसरा भाग है। इसका सीक्वल 2022 में आया था

बिग बास सीजन 18 सारा अरफीन खान ने विवियन डीसेनां की पूर्व पत्नी विवियन डीसेना पर टिप्पणी की

बिग बॉस सीजन 18 टेलीविजन स्क्रीन पर सबसे लोकप्रिय शो में से एक है जो अपने दैनिक झगड़ों और विवादों से दर्शकों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा है। बिग बॉस 18 के हालिया एपिसोड में, विवियन डीसेना जो इस हफ्ते घर में टाइम गॉडश (कैप्टन) बने थे, को उनके सह–प्रतियोगियों द्वारा आलोचना का सामना करना

पड़ा। बिग बॉस सीजन 18 टेलीविजन स्क्रीन पर सबसे लोकप्रिय शो में से एक है जो अपने दैनिक झगड़ों और विवादों से दर्शकों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा है। बिग बॉस 18 के हालिया एपिसोड में, विवियन डीसेना जो इस हफ्ते घर में श्टाइम गॉडश (कैप्टन) बने थे, को उनके सह–प्रतियोगियों द्वारा आलोचना का सामना करना पड़ा। जब से उन्हें घर चलाने की जिम्मेदारी मिली है, तब से विवियन को दूसरों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। प्रतियोगियों ने उन्हें अनुचित और पक्षपाती कहा है। सारा अरफीन खान के साथ उनकी हालिया लड़ाई शहर में चर्चा का विषय बन गई। बिग बॉस 18 के नवीनतम एपिसोड में, सारा ने अपनी लड़ाई के दौरान विवियन के अतीत को सामने लाया।

सारा ने विवियन की पूर्व पत्नी वाहबिज दोराबजी पर टिप्पणी की और अपने पति अरफीन खान और शिल्पा शिरोडकर को खरी–खोटी सुनाई। उन्होंने विवियन पर तंज कसते हुए कहा कि वाहबिज ने उन्हें उनके व्यवहार के खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने आगे कहा, श्मुझे इसकी एक्स ने कहा था कि कैसा इंसान है और उनको कितना तंग किया था विवियन ने। मैं नहीं मानती।श शिल्पा और अरफीन ने सारा को राष्ट्रीय टेलीविजन पर इस तरह की टिप्पणी करने से रोकने की कोशिश की। लेकिन, सारा किसी की नहीं सुन रही थी और वह कहती रही, श्वह गंदा खेलना चाहता है, अब मैं उसके साथ गंदा खेलूंगी। उसने यह भी उल्लेख किया कि वह अब उसके करीब नहीं है। वैसे, सारा विवियन को अपना देवर मानती थी। लेकिन, जब उसने अविनाश मिश्रा का समर्थन किया तो वह उससे भिड़ गई। खैर, सारा राशन से जुड़े एक मुद्दे पर विवियन से नाराज हो गई। उसने कॉफी भी कूड़ेदान में फेंक दी और विवियन के साथ उसकी लड़ाई ने सभी का ध्यान खींचा।इसके अलावा, चाहत पांडे और रजत दलाल विवियन के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। उन्होंने उसकी निजी चीजें छिपाना शुरू कर दिया और यहां तक घ्कि उसके ओसीडी मुद्दे का मजाक भी उड़ाया। विवियन ने उनके व्यवहार पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन, उन्हें अपने प्रशंसकों से बहुत समर्थन मिल रहा है। विवियन और वाहबिज ने 2013 में शादी की और 2016 और 2021 में अलग हो गए। दोनों ने कानूनी रूप से तलाक ले लिया। बाद में, विवियन ने नूरन एली से शादी की और दोनों एक बच्ची के माता–पिता हैं।

रणबीर कपूर रामायण से करेंगे डबल धमाका, अभी से सामने आई दोनों पार्ट की रिलीज डेट

रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर रामायण को लेकर फैंस बेसब्र थे। इस साल की शुरुआत में ही फिल्म के सेट से कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए, जिन्होंने फैंस को बेकरार कर दिया था। राम के रूप में रणबीर कपूर की झलक ने लोगों का दिल जीत लिया था। बिना फिल्म के आधिकारिक ऐलान के ही लोग फिल्म को लेकर कई कयास लगाने लगे थे। दावों के अनुसार 800 करोड़ से ज्यादा के बजट में बन रही नितिश तिवारी की फिल्म को लेकर अब आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। फिल्म को लेकर मेकर्स ने खास पोस्ट किया है और बताया कि फिल्म दो हिस्सों में बन रही है। फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। फिलहाल अभी तक फिल्म की स्टार कास्ट का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। उन्होंने इसके बारे में जानकारी देते हुए पोस्ट में लिखा, एक दशक से भी ज्यादा समय पहले, मैंने इस महाकाव्य को बड़े पर्दे पर लाने के लिए एक महान प्रयास शुरू किया था, जिसने 5000 से ज्यादा सालों तक अरबों दिलों पर राज किया है। और आज मैं इसे खूबसूरती से आकार लेते हुए देखकर रोमांचित हूं क्योंकि हमारी टीमें सिर्फ एक ही उद्देश्य के साथ अथक परिश्रम कर रही हैं। हमारे इतिहास, हमारी सच्चाई और हमारी संस्कृति – हमारी रामायण का सबसे प्रामाणिक, पवित्र और आश्चर्यजनक रूपांतर दुनिया भर के लोगों के लिए पेश करना। हमारे साथ जुड़ें क्योंकि हम अपने सबसे महान महाकाव्य को गर्व और श्रद्धा के साथ जीवंत करने के अपने सपने को पूरा कर रहे हैंज्दिवाली 2026 में भाग 1 और दिवाली 2027 में भाग 2, हमारे पूरे रामायण परिवार की ओर से।बता दें, मेकर्स ने दो सालों तक दिवाली को लॉक कर दिया है। रामायण पार्ट 1 और रामायण

पार्ट 2 के लिए दिवाली 2026 और दिवाली 2027 की डेट लॉक कर दी गई हैं। फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज डेट के साथ जारी किया गया है। पोस्ट पर फिल्म के नाम के साथ रिलीज डेट और भगवान राम का धनुष देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। साई पल्लवी सीता के किरादर में नजर आएंगी। वहीं कन्नड़ सुपरस्टार यश को रावण के रोल के लिए साइन किया गया है। फिल्म में रणबीर कपूर के डबल रोल होंगे, वो राम के साथ परशुराम के रोल में भी नजर आएंगे। दोनों पार्ट की फिल्मों का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है।

बाक्स आफिस पर सिंघम अगेन की धुआंधार कमाई जारी, पांचवें दिन खाते में आए इतने करोड़ रुपये

अजय देवगन पिछले काफी समय से फिल्म सिंघम अगेन को लेकर चर्चा में हैं। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म दिवाली के मौके पर यानी 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।भले ही एक्शन से भरपूर इस फिल्म की कहानी लोगों के कुछ खास पसंद नहीं आई, लेकिन यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छाप रही है।आइए जानते हैं सिंघम अगेन ने पांचवें दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 13.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 153.25 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म ने 43.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 42.5 करोड़ रुपये का कारोबार करने में सफल रही है।तीसरे दिन इस फिल्म ने 35.75 करोड़ रुपये और चौथे दिन 18 करोड़ रुपये कमाए। सिंघम अगेन में अजय के अलावा रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। फिल्म के अंत में अक्षय कुमार और सलमान खान का कैमियो भी है।सिंघम अगेन साल 2011 में आई फिल्म सिंघम की तीसरी कड़ी है। इसका सीक्वल साल 2014 में आया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।बता दें कि इस फिल्म की कहानी रामायण से प्रेरित है।

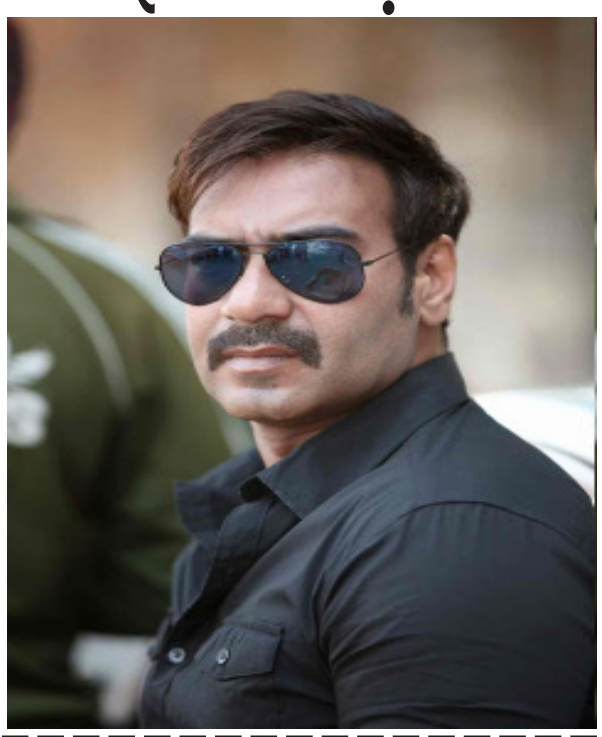

रिवीलिंग लहंगा पहन नेहा मलिक ने इंटरनेट पर लगाया बोल्डनेस का तड़का, कातिलाना अदाओं पर दिल हार गए फैंस

नेहा मलिक भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्री में से एक हैं। उन्होंने अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट एंड बोल्ड क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।नेहा मलिक की लेटेस्ट फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का सिजलिंग लहंगा पहना हुआ था, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।माथे में मांगटिका, गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

18 क्या अविनाश मिश्रा को मारने की वजह से सारा अरफीन खान एलिमिनेट हो जाएंगी ?

बिग बॉस 18 सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। बिग बॉस 18 में नाटकीय घटनाक्रम में प्रतियोगी सारा अरफीन खान को सह–प्रतियोगी ईशा सिंह और विवियन डीसेना के साथ शारीरिक विवाद के बाद शो से निकाल दिया गया है। मुंबई बिग बॉस 18 सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। बिग बॉस 18 में नाटकीय घटनाक्रम में प्रतियोगी सारा अरफीन खान को सह–प्रतियोगी ईशा सिंह और विवियन डीसेना के साथ शारीरिक विवाद के बाद शो से निकाल दिया गया है। द खबरी ने इस खबर की पुष्टि की। अपनी सख्त नीतियों के लिए जाने जाने वाले बिग बॉस में शारीरिक हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस का रुख है और सारा की हरकतों के कारण उन्हें तुरंत घर से निकाल दिया गया है।शो में काफी ड्रामा और विवाद देखने को मिल रहे हैं। ईशा सिंह, एलिस कौशिक, मुस्कान बामने, चाहत पांडे, अविनाश मिश्रा, तजिंदर सिंह बग्गा, हेमा शर्मा, नायरा एम बनर्जी, शिल्पा शिरोडकर, श्रुतिका अर्जुन, विवियन डीसेना, चुम दरंग, रजत दलाल, अरफीन खान, गुणरत्न सदावर्ते, शहजादा धामी, करण वीर मेहरा और सारा आफरीन खान शो के कंटेस्टेंट हैं। हेमा, शहजादा, नायरा, मुस्कान को शो से बाहर कर दिया गया है। गुणरत्न सदावर्ते किसी काम से बाहर गए थे, लेकिन अभी तक वापस नहीं आए हैं।हाल ही में, हमने बिग बॉस 18 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर दिग्विजय सिंह और कशिश कपूर को शो में एंट्री करते देखा। शो अभी काफी दिलचस्प मोड पर है।

छत्तीसगढ़ के चोर ने शाहरुख खान को धमकाया? मुंबई पुलिस की जांच में क्या हुआ खुलासा

मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रायपुर के फैजान खान नाम के व्यक्ति का मोबाइल फोन कुछ दिन पहले चोरी हो गया था और उसने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी। 5 नवंबर को बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को धमकाने के लिए जिस व्यक्ति के फोन का इस्तेमाल किया गया था, उसका सेलफोन कथित तौर पर एक चोर ने चुरा लिया था। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रायपुर के फैजान खान नाम के व्यक्ति का मोबाइल फोन कुछ दिन पहले चोरी हो गया था और उसने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी।शाहरुख खान को यह धमकी बांद्रा पुलिस स्टेशन के लैंडलाइन पर मिली थी। जबरन वसूली करने वाले ने अभिनेता से 50 लाख रुपये मांगे और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। फोन करने वाले ने कहारू ष्शाहरुख खान से 50 लाख रुपये मांगो। अगर वह नहीं देता है, तो वह मर जाएगा... मेरा नाम महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन अगर आप लिखना चाहते हैं, तो शहिंदुस्तानीश नाम न लिखें।नंबर की डिटेल्स का पता लगाते हुए बांद्रा पुलिस की क्राइम ब्रांच की एक टीम फैजान को पकड़ने के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंची, जिसके नाम से नंबर रजिस्टर्ड था।पुलिस ने अब मोबाइल फोन चोर की तलाश शुरू कर दी है।इससे पहले, बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को कई बार जान से मारने की धमकियाँ मिली थीं। हाल ही में, कर्नाटक के अधिकारियों ने इस मामले के सिलसिले में राजस्थान के जालौर से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। सलमान खान को कथित तौर पर 5 नवंबर को एक धमकी भरा कॉल आया था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 08 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

चार साल की बच्ची को अगवा कर किया दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी दबोचा

शाहजहांपुर संवाददाता। शाहजहांपुर के कांट क्षेत्र के एक गांव में चार साल की मासूम बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची मंगलवार रात को अपनी मां के साथ सो रही थी। तड़के जब पिता उठे तो बच्ची को न देख खोजबीन शुरू की। घर से करीब 500 मीटर दूर एक खेत पर बच्ची रोते हुए मिली। उसके नाजुक अंग से खून बह रहा था। राजकीय मेडिकल कॉलेज में दुष्कर्म की पुष्टि के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी पर दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की है। एक अन्य युवक से भी पूछताछ की गई। देर रात पुलिस ने मुठभेड़ में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पैर में गोली लगी है।

एक गांव निवासी व्यक्ति घर के कमरे में चारपाई पर सोया हुआ था। पास में ही दूसरी चारपाई पर उसकी पत्नी, दस वर्षीय बेटे, आठ व चार वर्ष की बेटी के साथ सो रही थी। आशंका है कि जीने के रास्ते घर में आए आरोपी उसकी बच्ची को उठा ले गए और खेत ले जाकर दुष्कर्म किया।

सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम को ट्यूबवेल से सौ मीटर दूर बच्ची के कुछ कपड़े भी मिले। खेत पर लेटा एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। सिपाहियों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। उसने बताया कि राजाराम भी खेत पर था। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने राजाराम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। राजाराम ने पूछताछ में संजय उर्फ संजू का नाम बताया। पुलिस ने देर रात कांट क्षेत्र में संजय को घेरा तो फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी है। आरोपी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

पुलिस को देखकर भागे युवक से कारण पूछा गया तो वह बोला कि वह डर की वजह से भागा था। उसने बताया कि गांव का राजाराम भी यहीं पर था। बालिका के परिजनों ने दोनों आरोपियों से जान–पहचान व संबंध होने से इन्कार किया है। पुलिस अन्य लोगों पर भी संदेह जता रही है।

एसपी राजेश एस. ने बताया कि तहरीर के आधार पर दुष्कर्म व पॉक्सो की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

छठ पूजा को लेकर छठ घाटो का किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

छठ पूजा के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा नगर पंचायत बढ़नी बाजार के छठ घाट एवं शिव बाबा स्थान नगर पंचायत शोहरतगढ़ के छठ घाट का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान छठ घाटों पर विद्युत व्यवस्था सी सी टी वी कैमरा बैरिकेडिंग, पब्लिक साउंड सिस्टम आदि को देखा गया सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गई जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़ एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत शोहरतगढ़ एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बढ़नी को निर्देश देते हुए कहा कि छठ घाटों पर साफ सफाई व्यवस्था के साथ अन्य सभी व्यवस्थाएं ठीक कराना सुनिश्चित करें जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न फैले और छठ पूजा को सकुशल संपन्न कराया जाए।

हे दीनानाथ! सुन ल अरजिया हमार

व्रती महिलाओं ने दिया उगते सूर्य को अर्घ्य, घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

सोनभद्र(आरएनएस)। नगर समेत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सूर्य षष्ठी 'डाला छठ' का महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर व्रती महिलाएं जलाशय में पानी में खड़े होकर अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को अर्घ्य देकर सुख–समृद्धि एवं मंगल कल्याण के लिए प्रार्थना कीं। इस दौरान घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ा रहा। व्रती महिलाओं ने वृहस्पतिवार की सायंकाल चार बजे से ही गाजे–बाजे के साथ घाटों की ओर जाती देखी गयीं। आगे–आगे इनके परिजन नंगे पांव डलिया, सूप में पूजन सामग्री व ईख लिए जा रहे थे। इय दौरान महिलाएं भी छठ मइया के गीत ''कांचहि बांस के बहंगियां, बहंगी लचकत जाय'' व ''कल सुमवा चढ़इबा छठिय मइया, छठी मइया के सुहाय'' आदि गाती हुई जा रही थी। अर्घ्य के बाद व्रती महिलाएं अपने–अपने वेदी पर गन्ने का मण्डप बनाकर उसके मध्य देशी घी के जलते दीप को रखा। इसके साथ ही डलिया, सूप में पूजन सामग्री रखकर पूजन–अर्चन कीं। कुछ व्रतियों ने घर से घाट तक जमीन पर लेटकर सफर को पूरा किया। छठ पर्व पर नगर के रामसरोवर, मेहुड़ी नहर, पकरी, बढ़ौली के अशोक नगर अकड़वा पोखरा पर, बभनौली के अलावां ग्रामीणांचलों के लसड़ा, कैथी द्वितीय, शाहगंज, ढुटेर, खजुरी, बालडीह, धर्मदासपुर, अरौली, पसही, खजुरौल बंधा आदि गावों के छठ घाटो पर मेले जैसे दृष्य रहा। इस दौरान आतिशबाजी भी हुई। सुरक्षा हेतु पुलिस के जवान मुस्तैद रहे।

महिला आयोग की सदस्य मीतापुर में महिलाओं के समस्याओं को सुनेंगी

सोनभद्र(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात 13 नवम्बर,2024 को ब्लाक राबर्ट्सगंज के मीतापुर के पंचायत भवन में महिलाओं की समस्याओं के निराकरण हेतु जन सुनवाई करेंगी, महिलाओं के उत्पीड़न के रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदकध्आवेदिकाओं के सुगमता के दृष्टि से जन सुनवाई करेंगीं। इस दौरान महिला उत्पीड़न के रोक थाम एवं महिलाओं के त्वरित न्याय दिलाने के दृष्टिगत जन सुनावाई का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इसके पश्चात सदस्य महिला बन्दी गृह, बालिकाध्महिला गृह एवं आंगनबाड़ी केन्द का निरीक्षण भी करेंगी।

एनटीपीसी विंध्याचल में धूम धाम से मनाया गया एनटीपीसी का 50वां स्थापना दिवस

सोनभद्र(आरएनएस)। प्रशासनिक–भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख ई0सत्य फणि कुमार ने एनटीपीसी ध्वजारोहण किया और सभी ने एनटीपीसी गीत गाया। साथ ही परियोजना प्रमुख(विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, मुख्य महाप्रबंधक समीर शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक(चिकित्सा) डॉ. बीसी चतुर्वेदी, महाप्रबंधक त्रिलोक सिंह, महाप्रबंधक सुजय कर्माकर, महाप्रबंधकए जे राजकुमार, महाप्रबंधक राजशेखर पाला, महाप्रबंधक डी के अग्रवाल, महाप्रबंधक अतिन कुंडु, मानव संसाधन प्रमुख राकेश अरोड़ा एवं अन्य विभागाध्यक्षों ने केक काटकर हवा मे गुब्बारे छोड़े और अपना हर्षोल्लास व्यक्त किया। इस भव्य अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल के अपर महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षध्अनुभागाध्यक्ष, अध्यक्षा सुहासिनी संघ सरोजा फणि कुमार, उपाध्यक्षा सारिका चतुर्वेदी एवं सुहासिनी संघ की अन्य पदाधिकारीगण, कमांडेंट सीआईएसएफ पंकज बलियान एवं उनकी टीम, यूनियनध एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, सभी स्कूलों के प्राचार्यगण एवं अध्यापकगण, सभी कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहें।

सर्वप्रथम अध्यक्ष एवं प्रबंधा निदेशक, एनटीपीसी–लिमिटेड, गुरदीप सिंह ने लाइव टेलिकास्ट के जरिये एनटीपीसी की सभी परियोजनाओं के सभी कर्मचारियों को संबोधित किया। श्री सिंह ने कर्मचारियों से पर्यावरण और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इनोवेटिव, उच्च दक्षता, उच्च विश्वसनीयता और उच्च उपलब्धता प्रदर्शित करने की अपील की। श्री सिंह ने सभी को एनटीपीसी के 50वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। श्री सिंह ने देश की सेवा के लिए समर्पित कंपनी के अद्वितीय विकास में एनटीपीसी के प्रत्येक सदस्य की अटूट प्रतिबद्धता और योगदान की सराहना की।

अपने संबोधन में, श्री सिंह ने कंपनी की उपलब्धियों, विशेषज्ञताओं, भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया और इसमें ऊर्जा, आत्मनिर्भर भारत और एनटीपीसी की भूमिका के बारे में भी चर्चा की। अपने संबोधन में, उन्होंने 24ध्7 बिजली आपूर्ति, बिजली स्टेशनों पर सुरक्षा, स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र, ईएसजी अनुपालन, ऊर्जा संक्रमण, डिजिटलीकरण और मानव संसाधन विकास के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके सम्बोधन को सुना एवं उनकी सराहना की।

अपने उद्बोधन में परियोजना प्रमुख ई0सत्य फणि कुमार नें कहा कि भारत सरकार द्वारा सम्पूर्ण राष्ट्र की बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड की स्थापना 07 नवंबर, 1975 को की गई थी। अपनी स्थापना के साथ ही हम अपने राष्ट्र की प्रगति के शुभ कार्य में जी–जान से जुट गए और शून्य से लेकर आज वर्तमान में हमने अपनी कोयला आधारित, गैस आधारित, हाइड्रो, स्माल हाइड्रो, सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी और संयुक्त उपक्रम के बल पर कुल 76,476 मेगावाट की स्थापित क्षमता अर्जित कर ली है। साथ ही उन्होनें नें अपने उद्बोधन में कहा कि एनटीपीसी–लिमिटेड की कुल स्थापित क्षमता में से 4783 मेगावाट के साथ एनटीपीसी–विंध्याचल राष्ट्र की विशालतम विद्युत उत्पादन परियोजना है । वित्त वर्ष 2024–2025 में एनटीपीसी विंध्याचल ने दिनांक 30 अक्टूबर, 2024 तक 21396.6 डपससपवद न्दपज ध 87.52ः च्स्थ् से बिजली का उत्पादन कर लिया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा डीडीआरसी, सिंगरौली के सहयोग से 05 लोगों को मोटर चलित ट्राईसाइकिल भी प्रदान किया गया, जिसे पाकर सभी बहुत खुश दिखे। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख(विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधकगण एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने और उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना करने के उदेश्य से कुल 09 कर्मचारियों को पावर एक्सल पुरस्कार

एवं एम्प्लोई ऑफ द इयर पुरस्कार से नवाजा गया। साथ ही एनटीपीसी के 50वें वर्षगांठ पूर्ण होने पर कविता प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले सभी कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन उप महाप्रबन्धक कामना शर्मा द्वारा किया गया।

पीड़ित दलित व्यक्ति ने सदर तहसीलदार पर लगाया आरोप

डीएम को पत्रक सौंपकर लगाई नया की गुहार

सोनभद्र(आरएनएस)। डीएम को पत्र देकर पीड़ित व्यक्ति उमाशंकर पुत्र स्व०रघुनाथ निवासी मौजा ग्राम डोमरिया परगना विजयगढ़ तहसील राबर्ट्सगंज ने बताया है कि आराजी न0 92मि० रकबा 1,8600 हे0 में से रकबा 0.2530 है० स्थित मौजा बनौरा प्रथम परगना विजयगढ़ थाना पन्नूगंज तहसील राबर्ट्सगंज का बैनामा बीते 02 अप्रैल,2018 को लिया। तत्पश्चात् नामान्तरण की कार्यवाही होकर नाम बतौर सहखातेदार भूमिधर दर्ज हुआ तथा बैनामा के समय से ही प्रार्थी का कब्जा–दखल है किन्तु हम प्रार्थी को गरीब व कमजोर तथा अनुसूचित जाति समझकर उपरोक्त आराजी पर धन–बल बाहुबल एवं गुण्डई के बल से गुलाम रसूल खा पुत्र मंसूर अली निवासी मौजा बनौरा प्रथम परगना विजयगढ़ थाना पन्नूगंज तहसील राबर्ट्सगंज द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करने के फिराक में पड़े, जिसके बाबत् प्रार्थी द्वारा कई उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया। मौके पर उपजिलाधिकारी राबर्ट्सगंज मय पुलिस बल के साथ जाकर उपरोक्त आराजी पर विपक्षी द्वारा किये जा रहे अवैध अतिक्रमण को हटवाकर प्रार्थी का जोत–कोड एवं कब्जा दिला दिये किन्तु उक्त कार्य से क्षुब्ध होकर मूल खातेदार जटईल को अपने साजिश में लेकर प्रार्थी की क्रयशुदा भूमि की चौहद्दी देकर कूटरचित एवं जालसाजी के तहत 01 अक्टूबर,2024 को अपने करीबी व्यक्ति मारकण्डे के नाम से करवा लिए तथा हम प्रार्थी के नामान्तरण कार्यवाही में पुर्नस्थापन प्रार्थना पत्र देकर तहसीलदार राबर्ट्सगंज को अपने अज्ञात कारणों से प्रभाव में लेकर नामान्तरण आदेश को निरस्त करा दिया। जबकि नामान्तरण की कार्यवाही नायब तहसीलदार विजयगढ़ रा०गंज से किया गया था। उक्त पत्रावली को ट्रान्सकर उपजिलाधिकारी राबर्ट्सगंज द्वारा न्यायालय तहसीलदार राबर्ट्सगंज में स्थानान्तरित करते हुए सुनवाई हेतु 14 अक्टूबर,2024 नियत किया गया था। किन्तु तहसीलदार राबर्ट्सगंज द्वारा 10 अक्टूबर,2024 को गलत एवं अवैधानिक तरीके से प्रार्थी का नामान्तरण आदेश निरस्त करते हुए प्रार्थी को विपक्षी गुलाम रसूल से सूचना देकर अपने चेम्बर में बुलाया गया। तहसीलदार द्वारा कहा गया कि बैनामें के समय से ही उक्त आराजी बन्धक है जबकि 2018 की खतौनी में उक्त आराजी बन्धक नहीं थी।

फसल कटते ही ग्राम सभाओं में शुरू हुआ मनरेगा कार्य

शुरू होते ही ग्राम सभाओं में दिखने लगा भ्रष्टाचार।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में धान की कटाई का कार्य प्रारंभ हो चुका है धान कटते ही गेंहू की बोआई शुरू हो जाएगी गेंहू की बोआई होने से ग्राम सभाओं में मनरेगा के कार्य रुक जाने की संभावना रहती है इसलिए धान कटते ही ग्राम प्रधानों द्वारा मनरेगा के कार्य शुरू कर दिया गया है जहाँ धान की फसल कट चुकी है वहाँ कार्य प्रारंभ है कार्य प्रारंभ होते ही ग्रामीण क्षेत्रो में मनरेगा कार्यो में अनियमितता और भ्रष्टाचार देखने को मिलना भी शुरू हो गया है मनरेगा को लेकर शासन और प्रशासन द्वारा कड़े नियम और कानून को बनाया है जिससे मनरेगा कार्यो में पारदर्शिता लाया जा सके और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके लेकिन विकास खण्डो में बैठे अधिकारी और कर्मचारी नियमो की धज्जियां उड़ाते हुए कार्य करवा रहे है जिससे भर्ष्टाचार खत्म होना असंभव हो गया है नियम कानून तोड़कर कार्य करने पर विकास खण्ड के अधिकारियों और कर्मचारीयो को लाभ होता है मनरेगा कार्य मे किसी भी कार्य के लिए मजदूरों की मांग की जाती है मांग के अनुसार ही कार्य स्थल पर उपस्थित मजदूरों की हाजरी लगाई जाती है लेकिन कार्य स्थल पर मांग के अनुसार मजदूर उपस्थित नही होते है तब भी कम मजदूर कार्य स्थल पर कार्य करते है और हाजरी मांगे गए सम्पूर्ण मजदूरों की ही लगाई जाती है पिछले वित्तीय वर्ष में जो कार्य कराया गया है उसी पर

नए वित्तीय वर्ष में कार्य नही किया जा सकता नियम के अनुसार लेकिन ग्राम प्रधान नियमो की अवहेलना कर कार्य करवाते है।ऐसा ही एक मामला विकास खंड शोहरतगढ़ के ग्राम सभा एकडेनगवा भावपुर में भी देखने को मिला जहा सहिजनवा चौराहे से दुबे डीह नाला तक सड़क के दोनों तरफ पटरी मरम्मत का कार्य किया जा रहा है जिसमे मांग के अनुसार कार्य स्थल पर कम मजदूर कार्य कर रहे है लेकिन उपस्थिति सम्पूर्ण मजदूरों की लग रही है वही इसी प्रोजेक्ट पर निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2032–24 में कार्य करवाया गया और अब मरम्मत के नाम पर भुगतान लिया जा रहा है कार्य स्थल पर सड़क के किनारे पटरी पर केवल घास सफाया जा रहा है अब सवाल ये उठता है कि पिछले वर्ष निर्माण और इस वर्ष मरम्मत कैसे संभव है इसी तरह के घोटाले कर सरकारी धनो का दुरुपयोग होता रहता है जिस पर अंकुश लगना जरूरी है।

गिट्टी लादकर जा रहा ट्रक ब्रेक फेल होने से पलटा, चालक खलासी घायल

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान पर बुधवार की रात ब्रेक फेल होने से गिट्टी लदा ट्रक डिवाइडर से टकराते हुए पलट गया। मध्य प्रदेश के सीधी जिला से गिट्टी लादकर बिहार जा रहा ट्रक जैसे ही बड़का मोड़ घुमान के पास पहुंचा कि अचानक ब्रेक फेल हो गया। ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए पलट गया। घटना में ट्रक चालक 35 वर्षीय शैलेश यादव व 25 वर्षीय खलासी सरोज यादव निवासी छपरा बिहार घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक व खलासी को उपचार हेतु न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज भिजवाया जहां दोनों घायलों का स्वास्थ्य कर्मियों ने उपचार किया। चालक व खलासी की हालत सामान्य बताई जा रही है। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि मध्यप्रदेश से गिट्टी लादकर बिहार जा रहा ट्रक देर रात ब्रेक फेल होने से ड्रमंडगंज घाटी में पलट गया। चालक व खलासी को सामान्य चोटें आई हैं जिनका उपचार करवाया गया है।

गंगा घाट का एसपी ने निरीक्षण कर दी कड़ी हिदायत

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा छठ महापर्व के अवसर पर बरिया घाट पर भ्रमण व निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। एसपी ने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था चौकस रखने की हिदायत दी है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा छठ महापर्व के अवसर पर नगर क्षेत्र के बरिया घाट का भ्रमण, निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान विभिन्न घाटों, जलाशयों, आयोजन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त रखते हुए महिला पुलिसकर्मियों सहित पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटियां लगाकर आयोजन स्थल से लिंक मार्गों पर सतत रुप से पेट्रोलिंग तथा यातायात, आवागमन को सुगम रखते हुए पर्व को सकुशल एवं निर्बाध रुप सम्पन्न कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। उक्त भ्रमण, निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली शहर सहित पुलिस बल के अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहें।

गोपियों का प्रेम भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी गहरी भक्ति और आत्मा का परमात्मा से रहा- भरत कृष्ण शास्त्री

मीरजापुर। लालगंज विकास खंड के रेही गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन वृहस्पतिवार को वृंदावन से आए कथावाचक भरत कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन की कई घटनाओं के बारे में बताया। उन्होंने मथुरा गमन, कंस वध, गोपी उद्धव मिलन और कृष्ण–रुक्मणी विवाह की कहानियां सुनाईं। जिससे श्रद्धालु भावुक हो उठे। भरत कृष्ण शास्त्री ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने मथुरा आकर कंस का वध किया। जिससे मथुरा वासियों को उसके अत्याचारों से मुक्ति मिली। उन्होंने कहा कि भगवान का उद्देश्य समाज में शांति और धर्म की स्थापना करना था और कंस वध इसके लिए जरूरी था। कथा में गोपियों और उद्धव के मिलन की घटना भी शामिल की गई। शास्त्री जी ने गोपियों के प्रेम को भगवान श्री कृष्ण के प्रति उनकी गहरी भक्ति और आत्मा का परमात्मा से मिलन बताया। गोपियां श्री कृष्ण से मिलने के लिए हमेशा उत्सुक रहती थीं और उनका प्रेम एक शुद्ध भक्ति का प्रतीक था। इसके बाद शास्त्री जी ने कृष्ण और रुक्मणी के विवाह की कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि रुक्मणी ने श्री कृष्ण के प्रति अपने प्रेम का प्रस्ताव भेजा। जिसे भगवान ने स्वीकार किया और उनसे विवाह किया। यह विवाह प्रेम और भक्ति की गहरी भावना का प्रतीक था। शास्त्री जी ने श्री कृष्ण के महारास का जिक्र करते हुए इसे जीव और परमात्मा के मिलन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि महारास का अनुभव वही है जब जीवात्मा भगवान के साथ एकाकार हो जाती है। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने शास्त्री जी की मधुर वाणी का आनंद लिया।

11 व 18 नवम्बर को जिला पंचायत सभागार में होगा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के व्यय रजिस्टर का निरीक्षण

मीरजापुर। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने जारी अपने एक आदेश के तहत 397–मझवां विधानसभा उप चुनाव–2024 में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों का व्यय प्रेक्षक की अध्यक्षता में चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्येक अभ्यर्थी के व्यय रजिस्टर का कम से कम तीन बार निरीक्षण किया जाना है। तत्सम्बन्धी आदेश इस कार्यालय के पत्र 26 अक्टूबर 2024 के द्वारा पूर्व में प्रत्याशियों के लेखे की जांच हेतु तिथियां निर्धारित की गयी थी, के क्रम में प्रथम निरीक्षण 5 नवंबर 2024 को किया जा चुका है। मुख्य अधिकारी निर्वाचन उप्र लखनऊ के द्वारा पूर्व में मतदान तिथि को संशोधित 20 नवंबर 2024 को किये जाने के फलस्वरूप संशोधित निरीक्षण का 11 नवंबर 2024 एवं तृतीय निरीक्षण 18 नवंबर 2024 को निर्धारित किया जाता है। 397–मझवां विधान सभा उप चुनाव–2024 में चुनाव लड़ रहे समस्त प्रत्याशियों को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त तिथियों में प्रातः 10 बजे से जिला पंचायत सभागार मीरजापुर में पहुंचकर निर्वाचन खर्चों के लेखे (दैनिक लेखे का रजिस्टर, कैश, रजिस्टर, बैंक रजिस्टर एवं खर्च किये गये समस्त बिल, वाउचर) का निरीक्षण कराना सुनिश्चित करें।

मतदाता सूचना पर्ची पर अंकित मतदान 13 नवम्बर के स्थान पर पढ़ा जाए 20 नवम्बर -उप जिला निर्वाचन अधिकारी

मीरजापुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र 4 नवम्बर, 2024 के साथ भारत निर्वाचन आयोग के पत्र 4 नवम्बर, 2024 के माध्यम से मतदान तिथि में संशोधन किया गया है। 397–मझवां विधानसभा उप निर्वाचन–2024 हेतु पूर्व में निर्धारित मतदान 13 नवंबर 2024 (बुधवार) के स्थान पर 20 नवंबर 2024 (बुधवार) नियत किया गया है। चूंकि मतदाता सूचना पर्ची के वितरण का कार्य आयोग द्वारा निर्धारित 1 नवंबर 2024 से प्रारम्भ है और उक्त पर्ची पर मतदान 13 नवंबर 2024 अंकित है। 397–मझवां विधानसभा के समस्त मतदाताओं से अपील है कि मतदाता सूचना पर्ची पर अंकित मतदान 13 नवंबर 2024 के स्थान पर 20 नवंबर 2024 पढ़ा जाये।

दो कबाड़ व्यवसायी सहित चार गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का पीतल व तांबे का बर्तन बरामद

मीरजापुर। जिले की थाना हलिया पुलिस द्वारा चोरी के एक मामले में 2 कबाड़ व्यवसायी सहित 4 लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का पीतल व तांबे का बर्तन बरामद किया गया है। बताते चलें कि बुधवार को संतोष कुमार पुत्र रामपति निवासी देवरी द्वारा नामजद व अज्ञात लोगों के विरुद्ध घर का ताला तोड़कर घर में रखा पीतल व तांबे के बर्तन तथा अलमारी में रखे आभूषण को चुरा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी थी। मामला दर्ज कर पुलिस विवेचना कर रही थी। चोरी की घटना से सम्बन्धित लवकुश पुत्र गोलर धरिकार, संगीता पत्नी लवकुश निवासीगण तीता थाना हलिया को गिरफ्तार किया गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।